Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-214 ● रायपुर, शनिवार 02 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-तृतीया

3

रामानुजनगर आयुष चिकित्सकों के द्वारा लोगों को निरंतर दी जा रही सेवाएं

5

सर्व यादव समाज वादा के मुताबिक टिकट मांगने पहुंचे डिप्टी सीएम के पास

7

नशा करने से परिवार और समाज दोनों आर्थिक रूप से नाश कर देता है - सोमा आचला

सुविचार

न कोई कठिनाई न कोई तकलीफ़ तो क्या मज़ा है जीने में, बड़े बड़े तूफ़ान थम जाते है, जब आग लगी हो सीने में।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए माइनिंग विभाग का एक्सियन और एस.डी.ओ. गिरफ्तार

चंडीगढ़। राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शुरु की गई मुहिम के अंतर्गत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने आज माइनिंग विभाग के एक कार्यकारी इंजीनियर एक्सियन और एक उप मंडल अधिकारी एस.डी.ओ. को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए काबू किया है। काबू किए गए मुलज़िमों की पहचान होशियारपुर में तैनात ऐक्सियन सरताज सिंह रंधावा और दसूहा के एस.डी.ओ. हरजिन्दर सिंह के रूप में हुई है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि जगराओं तहसील के गाँव ढोलन निवासी जसप्रीत सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वह रीगल एंटरप्राईजिज़ कंपनी में साइट कंट्रोलर के तौर पर काम करता है। कंपनी को मुकेरियाँ-तलवाड़ा रेलवे लाईन पर मिट्टी डालने का ठेका मिला था और कंपनी ने दसूहा तहसील के गाँव घगवाल से मिट्टी उठाने के लिए सम्बन्धित विभाग के पास सरकार द्वारा निर्धारित फीस 41,10,117 रुपए भी जमा करवा दिए थे।

जम्मू-कश्मीर में 25 साल से अधिक समय से फरार आठ आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। सीआईडी इनपुट की सहायता से महीनों तक चुपचाप काम करने वाले जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के जासूसों ने 27-31 वर्षों के बाद टाडा मामलों में फरार आठ आतंकवादियों को पकड़ लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, जम्मू-कश्मीर की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आज आठ फरार आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है जो आतंकवाद और विघटनकारी गतिविधियों के गंभीर अपराधों में शामिल थे। ये लगभग तीन दशक पहले डोडा, जम्मू और कश्मीर जिलों के विभिन्न थानों में दर्ज टाडा मामलों में शामिल थे। उनके खिलाफ जम्मू के टाडा कोर्ट में आरोप पत्र दायर किये गये थे। पुलिस के अनुसार, ये फरार आतंकवादी दशकों तक भूमिगत रहकर और कुछ समय तक अज्ञात रहकर कानून के चंगुल से भागने में कामयाब रहे और फिर अपने मूल या कुछ दूर के स्थानों पर सामान्य पारिवारिक जीवन जीने के लिए फिर से सामने आए।

अश्लील वीडियो और फोटो बना विवाहिता को किया ब्लैकमेल, केस दर्ज

हरिद्वार। शहर कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला की फोटो और वीडियो एडिट कर अश्लील बनाकर ब्लैकमेल किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि युवक महिला की डेढ़ माह की बच्ची के अपहरण करने धमकी भी दे रहा है। पांच लाख रुपये और सोने की मांग की गई। पुलिस के मुताबिक उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र निवासी एक युवती की शादी साल 2021 में हुई थी। काफी समय से ललतारौ पुल निवासी नमन उसे सोशल मीडिया पर फर्जी नामों से आईडी बनाकर परेशान कर रहा है। उसका चेहरा लगाकर अश्लील फोटो, वीडियो भेजता है।

चंद्रयान मिशन की तरह ही जीवन को भी देखें

कठिनाई का डटकर मुकाबला करें सफलता कदम चूमेगी.....राष्ट्रपति...

■ शिक्षा हमें संस्कारित और अनुशासित बनाती है - राज्यपाल

बिलासपुर/ संवाददाता

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने तथा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने पहुँची राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफ्लताओं के सूत्र बताए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफ्ल लैंडिंग की। इस पर बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रूकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें तात्कालिक असफ्लता से कभी हताश न हो, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। जय जोहार के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारा तिरंगा चाँद पर पहुँच चुका है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि का विषय है। इस उपलब्धि को किस तरह वैज्ञानिकों ने प्राप्त किया। इस संबंध में विश्वविद्यालय में आयोजन होने चाहिए ताकि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण यानी साइंटिफिक्क टेंपर का निर्माण हो सके। यह संविधान के मूल कर्तव्यों में शामिल है। मुझे खुशी है कि इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। यहाँ ऐक्सलरेटर आधारित रिसर्च सेंटर भी स्थापित की गई है। अपने अनुसंधान से यह विश्वविद्यालय दुनिया में अपनी पहचान बनाएं। जो देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने में आगे रहेंगे, वे ज्यादा तरक्की करेंगे। हमारे स्पेस मिशन में हमें दुनिया से कुछ असहयोग का सामना भी करना पड़ा, फिर भी हम दृढ़ता से बढ़ते रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसका नाम गुरु घासीदास के नाम पर है। उन्होंने मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। गुरु घासीदास ने समानता का संदेश दिया। समानता के आदर्शों पर चलकर ही युवा सुख के रास्ते पर चल सकते हैं और सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद को भी याद किया। उन्होंने कहा कि रायपुर का हवाई अड्डा स्वामी विवेकानंद के नाम पर है। वे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ खेलकूद को भी महत्व देते थे। स्वामी जी आत्मविश्वास की मूर्ति थे। स्वामी जी ने शिकागो में भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता का विश्वघोष किया था। उस समय भारत में गुलामी की मानसिकता अपने चरम पर थी। एशिया के लोग हीनता की भावना से ग्रस्त थे। ऐसे वातावरण में विवेकानंद ने भारत का नाम बढ़ाया। युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे खुशी है कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 76 विद्यार्थियों में 45 छात्राएं हैं जो कुल संख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। विश्वविद्यालय में 47 प्रतिशत छात्राएं पढ़ रही हैं।

कठोर परिश्रम के बल पर स्वयं को स्वर्ण पदकों हेतु योग्य सिद्ध किया है - मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि आप सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने अपने कठोर परिश्रम मेधा और अनुशासन के बल पर स्वयं को उपाधियों एवं स्वर्ण पदकों हेतु योग्य सिद्ध किया है। यह विश्वविद्यालय हमेशा ज्ञान का प्रकाश रहा है। हमारा प्रदेश हमेशा समृद्ध रहा है। यहां पुरखों के आशीर्वाद से उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों पर हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हमारे यहां प्रचुर संसाधन हैं, समृद्ध जैव विविधता है, सघन वन हैं, सुंदर प्रकृति है, सुंदर जनजीवन है, उत्कृष्ट मानवीय मूल्य हैं। हम युवाओं को लगातार आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हमने 42 हजार पदों पर भर्ती की। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के जरिए हमने रोजगार, स्व-रोजगार और उद्यम दिए हैं। हम बेरोजगारी भत्ता भी प्रदान कर रहे हैं, ताकि युवाओं को आर्थिक मजबूती मिल सके और वे अच्छे भविष्य की तैयारी कर सके। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गुरु घासीदास जी का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि मनखे मनखे एक समान का संदेश देकर उन्होंने समतामूलक समाज के लिए कार्य किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अवैध शादी में जन्मी संतान वैध

अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को भी माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा..

नई दिल्ली/ एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (1 सितंबर) को बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि अमान्य विवाह के बच्चों को माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा मिल सकता है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि अमान्य विवाह के बच्चे हिंदू कानून के तहत माता-पिता की संपत्ति में अधिकार का दावा कर सकते हैं। हिंदू कानून के अनुसार, शून्य या अमान्य विवाह में पुरुष और महिला को पति-पत्नी का दर्जा नहीं मिलता है। हालांकि, शून्यकरणीय विवाह में उन्हें पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त है। शून्य विवाह में, विवाह को रद्द करने के लिए शून्यता की किसी डिक्री की जरूरत नहीं होती है। जबकि शून्यकरणीय विवाह में शून्यता की डिक्री की आवश्यकता होती है। शून्य विवाह एक ऐसा विवाह है जो शुरुआत से ही अमान्य है जैसे कि विवाह अस्तित्व में नहीं आया हो। शीर्ष कोर्ट का फैसला 2011 की उस याचिका पर आया है जो इस जटिल कानूनी मुद्दे से संबंधित थी कि क्या गैर-वैवाहिक बच्चे हिंदू कानूनों के तहत अपने माता-पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी के हकदार हैं। हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 के तहत किसी शादी को दो आधार पर अमान्य माना जाता है- एक शादी के दिन से ही और दूसरा जिसे अदालत डिक्री देकर अमान्य घोषित कर दे। हिंदू सक्सेशन लॉ के आधार पर अमान्य शादियों में जन्मी संतान माता-पिता की संपत्ति पर दावा कर सकते हैं। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि उनका यह फैसला केवल हिंदू मिताक्षरा कानून के तहत ज्वाइंट हिंदू फैमिली की संपत्तियों पर ही लागू होगा।

दिल्ली मेट्रो में शख्स ने नाबालिग लड़की से किया गंदा काम, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। इसी तरह का अब एक और नया मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने मेट्रो में यात्रा कर रही एक नाबालिग के साथ आपत्तिजनक हरकत करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर यात्रा के समय भीड़ का फायदा उठाकर मास्टरबेट (हस्तमैथुन) किया और नाबालिग लड़की पर वीर्य (स्पर्म) गिरा दिया।

आइएनडीआइए की बैठक

देश का इतिहास नहीं बदलने देंग-सीएम नीतीश कुमार....

पटना। आइएनडीआइए गठबंधन की बैठक के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी पार्टियां एक दूसरे के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर इसका अच्छा परिणाम होगा। उन्होंने कहा कि अभी जो लोग केंद्र में हैं, अगले चुनाव में उनकी हार जरूर होगी। सीएम नीतीश ने मीडिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप फ्लिहाल एक तरह से बंदी हैं। एक बार जब आप उनसे मुक्त हो जाएंगे, तो आप वही लिखेंगे और बोलेंगे जो आपको सही लगता है। सीएम नीतीश ने आगे कहा कि वे (भाजपा) देश के इतिहास को बदलना चाहते हैं और हम सब उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अभी जो काम नहीं कर रहे हैं।

मिशन की सफलता के लिए इसरो चीफ मंदिर पहुंचे

आदित्य एल1 आज सुबह 11.50 बजे श्रीहरिकोटा से लॉन्च होगा...

बेंगलुरु। एजेंसी

इसरो ने शुक्रवार (1 सितंबर) को दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर सोलर मिशन आदित्य रू की लॉन्चिंग का 23 घंटे 40 मिनट का काउंटडाउन शुरू कर दिया है। आदित्य एल1 को 2 सितंबर की सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो चीफ एस सोमनाथ ने शनिवार (1 सितंबर) को आंध्र प्रदेश के चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मिशन की सफ्लता के लिए प्रार्थना की। इससे पहले सोमवार 28 अगस्त को इसरो चीफ एस सोमनाथ ने तमिलनाडु के सुल्लुरपेटा में श्री चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर में पूजा की थी। उन्होंने बताया कि किसी भी मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के साइंटिस्ट इस मंदिर में आते हैं। यह परंपरा पिछले 15 साल से चली आ रही है। 30 अगस्त को इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा था कि आदित्य रू की लॉन्चिंग की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। रॉकेट और सैटेलाइट तैयार हैं। हमने लॉन्चिंग के लिए रिहर्सल भी कर ली है। मिशन को सटीक दायरे तक पहुंचने में 125 दिन लगेंगे। वहीं, इसरो ने कहा- व्हीकल के इंटरनल चेक पूरे कर लिए गए हैं। ये करीब 4 महीने में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर लैगरेंज पॉइंट-1 यानी एल1 पॉइंट तक पहुंचेगा। आदित्य स्पेसक्राफ्ट, रू पॉइंट के चारों ओर घूमकर सूर्य पर उठने वाले तूफ़नों को समझेगा।

रक्षाबंधन पर नहीं पहुंचा भाई, तो नाराज बहन ने खा लिया जहर

धनबाद। रक्षाबंधन पर राखी बंधवाने के लिए भाई के न पहुंचने से नाराज होकर एक महिला ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। घटना धनबाद जिले के टुंडी की है। यहां विवाहिता महिला ने धनबाद में रहने वाले अपने भाई राकेश महतो को रक्षा बंधन के मौके पर आने को कहा था। राकेश महतो ने अपनी जरूरी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए आने में असमर्थता जतायी। यह बात बहन को नागवार गुजरी और उसने घर में रखा कीटनाशक खा लिया। घर के लोगों ने उसे धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया है।

दो दिवसीय दौरे पर श्रीलंका जाएंगे रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह का श्रीलंका दौरा साबित होगा मील का पत्थर.....

नई दिल्ली। एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2 और 3 सितंबर को श्रीलंका के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। सरकार का कहना है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच दोस्ती को गहरा करने में 'मील का पत्थर' साबित होगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने के साथ बातचीत करेंगे। विक्रमसिंघे के पास श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय का भी प्रभार है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यात्रा के दौरान, राजनाथ सिंह श्रीलंका के राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री रानिल विक्रमसिंघे और प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने के साथ बातचीत करेंगे। इसमें बताया गया है कि बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच भारत के रक्षा संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। राजनाथ सिंह मध्य श्रीलंका में नुवारा एलिया और देश के पूर्वी हिस्से में स्थित त्रिंकोमाली का भी दौरा करेंगे। मंत्रालय ने कहा, राजनाथ सिंह की यह यात्रा श्रीलंका के साथ मौजूदा मैत्रीपूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराएगी। जारी किए गए बयान में कहा गया, यह दोनों देशों के बीच दोस्ती के मजबूत बंधन बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। दरअसल, द्वीप राष्ट्र पर कब्जा करने के लिए चीन के लगातार प्रयासों के बीच भारत ने श्रीलंका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों का विस्तार करने का फैसला किया।

हम तानाशाही, जुमलेबाजी, भ्रष्टाचार और मित्र-परिवारवाद के विरुद्ध जरूर लड़ेंगे : ठाकरे

हम भयमुक्त भारत के लिए एक साथ आए हैं-प्रमुख उद्धव ठाकरे

■ सत्ता हाथ में आने के बाद जमीन पर पांव रखकर काम करने की आवश्यकता : पवार

■ आइएनडीआइए के नाम से देश में नया विकल्प तैयार करने की कोशिश

मुंबई/ एजेंसी

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस आइएनडीआइएकी मुंबई में हुई बैठक के मेजबान एवं शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार कहा कि हम भयमुक्त भारत के लिए इकट्ठा आए हैं। जैसे-जैसे हम मजबूत हो रहे हैं, वैसे-वैसे हमारे विरोधियों में घबराहट बढ़ती जा रही है। गठबंधन की बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि हम तानाशाही के विरुद्ध, जुमलेबाजी के विरुद्ध, भ्रष्टाचार के विरुद्ध और मित्र-परिवारवाद के विरुद्ध जरूर लड़ेंगे। मित्र-परिवारवाद से उद्धव का आशय उन उद्योगपतियों से था, जिन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी का मित्र बताते हुए उन पर प्रहार करते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रधानमंत्री को ही निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी गरीबों के लिए कभी काम नहीं करेंगे। वह बड़े उद्योगपतियों के साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं। उनके शासनकाल

में बड़े-बड़े लोगों के पास जो पैसा जा रहा है, उसे रोकना जरूरी है। आजकल स्वायत्त संस्थाओं का सत्यानाश किया जा रहा है। उनका दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने विपक्ष के नेता से कोई सलाह किए बिना ही संसद का विशेष सत्र बुला लिया। इस प्रकार हम धीरे-धीरे तानाशाही की ओर बढ़ रहे हैं। हम सब इसी विचारधारा से लड़ने के लिए आगे आए हैं। राकांपा संस्थापक शरद पवार ने कहा कि देश में जिन लोगों ने देश का शासन चलाने की जिम्मेदारी वर्तमान केंद्र सरकार को दी है, आज उन्हीं लोगों में नाराजगी की भावना देखने को मिल रही है। सत्ता हाथ में आने के बाद जमीन पर पांव रखकर काम करने की आवश्यकता होती है। विशेष तौर पर सत्तारूढ़ दल भाजपा द्वारा आइएनडीआइए पर की जा रही टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए पवार ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल मिलकर काम करना चाहते हैं तो उनकी नीतियों और कामकाज की तो आलोचना की जा सकती है, लेकिन आज तो उनके साथ आने को लेकर ही उन पर टिप्पणियां की जाने लगी हैं। उन्हें 'घमंडिया' गठबंधन कहा जाने लगा है। इससे साफ होता है कि वास्तव में घमंडिया कौन है। पवार ने कहा कि हम सबने मिलकर आइएनडीआइए के नाम से देश में नया विकल्प तैयार करने की कोशिश शुरू की है। हम वादा करते हैं कि हम लूटेंगे नहीं। गलत रास्ते पर नहीं जाएंगे। जो गलत रास्ते पर जा रहे हैं, उन्हें ठीक रास्ते पर लाएंगे। और यदि वे ठीक रास्ते पर नहीं आते हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए जो कुछ भी हो सकता है, वह कंधे से कंधा मिलाकर करेंगे।

भारत को बचाने के लिए आए आगे.....

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आइएनडीआइए को विपक्षी दलों का नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का गठबंधन बताते हुए केंद्र सरकार को स्वतंत्र भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया। उन्होंने कहा कि यहां किसी की किसी से लड़ाई नहीं है। कोई यहां किसी पद के लिए नहीं आया है। सब भारत को बचाने के लिए आगे आए हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अपने अलग अंदाज में कहा कि हम सब अलग-अलग बैठे थे। लेकिन मोदी के कारण साथ आ गए। हमारे अलग-अलग रहने का भी मोदी ने बहुत लाभ उठाया है। लालू ने कहा कि हम बीमार जरूर हैं, लेकिन अब मोदी को हटाकर ही दम लेंगे। हम इसरो के विज्ञानियों से अपील करेंगे कि अब मोदी को सूर्यलोक पहुंचाओ, तब देश का बड़ा नाम होगा।

महिलाओं की अंडाशय से जुड़ी बीमारी है पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम महिलाओं की अडाशय से जुड़ी बीमारी है। इसकी वजह से महिलाओं के शरीर में हार्मोन का सतुलन बिगड़ जाता है। उनमें फीमेल हार्मोन की जगह मेल हार्मोन का स्तर ज्यादा बढ़ने लगता है। जिसकी वजह से उनके अंडाशय में गांठे बनने लगती हैं। थैली के आकार की इन गांठों में तरल पदार्थ भरा होता है। धीरे-धीरे ये गाठे ओव्यूलेशन की प्रक्रिया को प्रभावित करने लगती हैं। इस बीमारी से पीड़ित महिलाओं में गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है। यही नहीं उनमें टाइप-2 डायबिटीज की सभावना भी बढ़ जाती है।

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम महिलाओं में होने वाली एक गंभीर बीमारी बनती जा रही है। एक अध्यन के मुताबिक भारत में हर 4 में से एक महिला पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम से पीड़ित है। अंडाशय से जुड़ी यह बीमारी महिलाओं में तेजी से फैल रही है। यह कोई जानलेवा बीमारी नहीं। जीवन शैली में कुछ बदलाव लाकर इससे बचा जा सकता है।

कारण

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के सही कारणों का पता लगाने के लिए दुनिया भर में कई शोध हो रहे हैं। फिलहाल इसक बीमारी की कोई सटीक वजह सामने नहीं आई है। कुछ शोध की मानें तो महिलाओं में यह समस्या आनुवांशिक भी है। यानी परिवार में पहले किसी को ये बीमारी हो तो आने वाली पीढ़ी में इसके होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसके अलावा अनियमति जीवन शैली, तनाव, अनिंद्रा, व्यायाम न करना और धूम्रपान भी इसका कारण है।

उपाय

पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम कोई जानलेवा बीमारी नही है लेकिन इस बीमारी का कोई सटीक इलाज भी नहीं है। जीवन शैली में कुछ बदलाव करके और कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखकर खूद को इस बीमारी से बचा जा सकता है। जैसे- नियमित व्यायाम करें, बढ़े वजन को कम करने के लिए सुबह शाम टहले, अपनी डाइट में कार्बोहाइड्रेट और ग्लायसेमिका इंडेक्स वाली चीजे जैसे- फल, हरी सब्जियों और साबुत अनाज को शामिल करें। इसके अलावा रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद ले और तनाव मुक्त रहें।

लक्षण
- अनियमित माहवारी
- माहवारी के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग
- अनचाहे बालों का बढ़ना
- चेहरे पर मुंहासे आना
- वजन का बढ़ना
- सिर में दर्द और मूड स्विंग
- नींद न आना

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते है कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नही है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते है कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने मे सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

हृदय रोग, मधुमेह स्ट्रोक जैसी बीमारियों की वजह हो सकती है सही नींद न लेना

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगो को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे औषधीय गुणों से भरपूर है अर्जुन फल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नही, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते है और आपको ताजा सासे प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ो की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते है जहा आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजो और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से राहत सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मासपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों मे ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक मे डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने मे मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

सेहत के लिए कुदरत का वरदान है सूखा नारियल

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियो में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सार-समाचार

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन : विभिन्न पदों की संविदा नियुक्ति हेतु पात्र, अपात्र की सूची जारी

11 सितम्बर तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा/ जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न पदों (सपोर्ट स्टॉफहाउस कीपिंग, एकाउंटेट एन. यु. एच. एम., टी.बी. एच. व्ही. एन.टी.ई.पी., सेकेट्रीयल असिस्टेंट एन.व्ही. बी.डी.सी.पी., अटेंडेट एन.आर.सी., क्लीनर एस. एन. पी. यु., आया बाई एस. एन.सी.यु., सेकेट्रीयल असिस्टेंट आई.डी.एस.पी. और नर्सिंग ऑफिसर एन. एच. एम., आई.सी.यु.) की संविदा नियुक्ति हेतु 4 मई 2022 तक इच्छुक पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला जांजगीर चांपा छ.ग. के नाम से रजिस्टर्ड डॉक के माध्यम से आमंत्रित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी ने बताया कि प्राप्त सभी आवेदनों को चयन समिति के अनुमोदन उपरांत पात्र, अपात्र की सूची जारी किया गया है। उक्त जारी पात्र, अपात्र सूची में किसी भी अभ्यर्थी को दावा-आपत्ति करना हो तो निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर 11 सितम्बर 2023 को शाम 05 बजे तक सीधे कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जांजगीर-चांपा में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य माध्यम से भेजे गये दावा आपत्ति तथा निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। सूची का अवलोकन जिले के वेबसाईट https://janjgir-champa.gov.in/ पर कर सकते हैं।

सहायक ग्रेड-03 (संविदा अस्थायी) एवं भृत्य (कलेक्टर दर) की चयन सूची जारी

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए जिला (सामान्य निर्वाचन) कार्यालय सूरजपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर) कार्यालय के लिए 30 नवम्बर 2023 तक की अवधि के लिए संविदा अस्थायी आधार पर 05 पद सहायक ग्रेड-03 एवं कलेक्टर दर के आधार पर 05 पद भृत्य के पदों की स्वीकृति प्रदान की गई थी। स्वीकृति के तारतम्य में जिला चयन समिति ने सहायक ग्रेड-03 (संविदा अस्थायी) पद पर श्री अमित कुमार विश्वकर्मा, श्री बालमुकुंद, श्री जय कुमार एवं श्री राहुल लकड़ा तथा भृत्य (कलेक्टर दर) के पद पर रंजना मौर्य, श्री बजन राम सिरदार, श्री निलेष कुमार साहू, सुश्री पुजा एवं श्री सौरभ सागर भगत का चयन किया है। यह पद पूर्णतया अस्थायी व 30 नवम्बर 2023 तक की निश्चित अवधि के लिए कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय सूरजपुर में निर्धारित शर्तों के अधीन पदस्थ किया गया

आरबीसी 6(4) के तहत 12 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर न्यायालय कलेक्टर आदेश से प्राप्त जानकारी अनुसार कि मृतक बन्धन आत्मज नोहरी जाति गोंड़ निवासी ग्राम भरदा तहसील प्रतापपुर की मृत्यु 10 नवम्बर 2022 को कुआं में डूबने से मृतक के निकटम वारिष पत्नि सुगन पति स्व. बंधन को, मृतक दीक्षित आत्मज गुलाब निवासी ग्राम पार्वतीपुर तहसील प्रेमनगर की मृत्यु 09 सितम्बर 2022 को सर्प के काटने से मृतक के निकटतम वारिस पिता गुलाब को, मृतिका मानकुंवर पति स्व. सहाली जाति गोंड़ निवासी ग्राम पकनी तहसील प्रतापपुर की मृत्यु कुआं में डूबने से मृतिका के निकटम वारिषगण मानदास, ननकी, मानमती तथा सोनामती को क्रमश: 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। यह राशि आबंटन की प्रत्याशा में मांग संख्या 58 शीर्ष 2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अन्तर्गत वर्ष 2023-24 में आबंटन की प्रत्याशा में विकलनीय होगा।

भालू के हमले में घायल ग्रामीण को किया सिम्स रेफर

कोरबा। वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज अंतर्गत बलबहरा गांव में भालू के हमले में घायल हुए ग्रामीण को पेंड्रा जिला अस्पताल में उपचार के बावजूद उसके स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार बलबहरा निवासी सेवासिंह गत दिनों अपने खेत में काम कर रहा था। तभी जंगल से अचानक धमके भालू ने हमला कर घायल कर दिया था। परिजनों तथा वन विभाग को जानकारी होने पर उसे उपचार के लिए पहले पसान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर दशा को देखते हुए पड़ोसी जिले गौरेला पेंड्रा मारवाही क्षेत्र के जिला अस्पताल भेज दिया था। पेंड्रा जिला अस्पताल में लगभग एक सप्ताह चले उपचार के बावजूद जब उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ तो डॉक्टरों ने आज सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया। परिजन घायल ग्रामीण को लेकर आज सुबह बिलासपुर रवाना हुआ, जहां भर्ती कराये जाने के बाद डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने घायल ग्रामीण के परिजनों से कहा कि वन्य प्राणी के हमले में जन घायल होने पर उसके ईलाज का पूरा खर्च विभाग वहन करता है सो बेहतर से बेहतर ईलाज कराये ताकि उसे बचाया जा सके।

इस वर्ष भद्रा के चलते संशय बना रहा, दो दिवस मनाई गई त्यौहार

भाई बहन की अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर :- इस साल रक्षाबंधन का त्योहार भद्रा के चलते दो तिथियों में बंटा रहा. कुछ लोगों ने भद्रा के चलते 30 अगस्त की रात को त्योहार मनाया गया तो कुछ लोग यानी 31 अगस्त को रक्षाबंधन मनाये हैं। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे अपनी रक्षा का वचन लेती हैं। वैसे तो रक्षाबंधन के त्योहार से जुड़ीं कई कहानियां प्रचलित हैं, मगर हम आपको बताने जा रहे हैं, सबसे रोचक ऐतिहासिक और पौराणिक कहानियां जिन्हें इस त्योहार की शुरुआत भी माना जाता है।

रक्षा बंधन का शाब्दिक अर्थ रक्षा का बंधन होता है। भाई

अपनी बहन को हर मुश्किल से रक्षा करने वचन देता है। बहनें अपने भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं। इसे राखी पूर्णिमा के तौर पर भी जाना जाता है। यह त्योहार हिंदू चंद्र कैलेंडर के सावन माह में पूर्ण चंद्र के दिन होता है, जिसे पूर्णिमा कहा जाता है। ज्योतिष मनोज व्यास ने बताया कि रक्षाबंधन का इतिहास काफी पुराना है, जो सिंधु घाटी की सभ्यता से जुड़ा हुआ है। असल में रक्षाबंधन की परंपरा उन बहनों ने डाली थी जो सगी नहीं थीं, भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरुआत क्यों न की हो, लेकिन उसकी बदौलत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है।

इतिहास के पन्नों को देखें तो इस त्योहार की शुरुआत 6 हजार साल पहले माना जाता है। इसके कई साक्ष्य भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। रक्षाबंधन की शुरुआत का सबसे पहला साक्ष्य रानी कर्णावती और सम्राट हुमायूं का है। मध्यकालीन युग में राजपूत और मुस्लिमों के बीच संघर्ष चल रहा था, तब चित्तौड़ के राजा की विधवा रानी कर्णावती ने गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख हुमायूं को राखी भेजी थी। तब हुमायू ने उनकी रक्षा कर उन्हें बहन का दर्जा दिया था।

ज्योतिषो के माने तो रक्षा बंधन के दिन भद्रा काल का विशेष ध्यान रखा जाता है। दरअसल इस अशुभ समय में राखी नहीं बांधी जाती है. पैराणिक कथा के अनुसार, भद्रा भगवान सूर्य और छाया की पुत्री है. इस दृष्टिकोण से भद्रा शनि देव की बहन हुईं। कहा जाता है कि जब भद्रा का जन्म हुआ तो वह समस्त सृष्टि को निगलने वाली थीं. साथ ही वे हवन, यज्ञ और पूजा-पाठ इत्यादि मांगलिक कार्यों में विघ्न उत्पन्न की थीं. इसलिए भद्रा काल में राखी नहीं बांधी जाती है।

कृष्ण और द्रौपदी का रक्षाबंधन

रक्षाबंधन की सबसे पहली कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है. महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी उन्होंने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई। जैसा कि आप सब जानते हैं कि जब द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था तब श्रीकृष्ण ने ही उनकी लाज बचाकर सबसे उनकी रक्षा की थी।

भद्रा भगवान सूर्य की पुत्री और शनि देव की बहन हैं। अपने जन्म के समय उसमें पूरी दुनिया को निगलने की शक्ति थी जिसके परिणामस्वरूप सभी शुभ कार्यों में बाधा उत्पन्न होती थी। उसके उग्र स्वभाव को नियंत्रित करने के लिए भगवान ब्रह्मा ने उसे विष्टि करण में स्थान दिया था । इसे एक तर्क और दिया गया है ऐसा माना जाता है कि भद्रा का स्वभाव शनि देव की तरह कठोर है। इनके इस स्वभाव पर काबू करने के लिए ब्रह्माजी ने उन्हें पंचांग में विष्टि करण के रूप में जगह दी थी। इसलिए ऐसा माना जाता है कि जिस समय भद्रा काल लग रहा होता है तो उस समय शुभ या धार्मिक कार्य करना वर्जित होता है। कुल मिलाकर भद्रा चाहे कहीं की भी हो स्वर्ग, पताल या भूमि रक्षाबंधन पर्व निषेध ही है बाकी अन्य कार्य में आप भद्रा का वास देखते हुए निर्णय ले सकते हैं।

मित्रता का प्रतिक है भोजली पर्व - भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया

जांजगीर:- जांजगीर विधानसभा के ग्राम खोखसा में पारम्परिक रूप से भोजली उत्सव मनाया गया जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया भी शामिल हुए।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया जी ने कहा कि भोजली पर्व मित्रता का प्रतिक है, गांवों में पारम्परिक रूप से एक दुसरे के कानों में भोजली डालकर मित्रता निभाने के लिए कसमें खाई जाती है भोजली पर्व हमें भाईचारा, मित्रता के बंधन में बांध कर रखती है, भोजली पर्व सभी वर्ग के लोगो में एकता की भावना जागृत करती है, सभी वर्ग एकजूट होकर हर्षोल्लास के साथ भोजली पर्व मनाते हैं, एक दुसरे के घर जाकर भोजली देते है एवं प्रसाद बांटते हैं। ग्राम खोखसा के

भोजली उत्सव कार्यक्रम में गांव के महिलाओं द्वारा पारम्परिक वेषभूषा में छत्तीसगढ़ी पारम्परिक लोक गीत देवी गंगा देवी गंगा, लहर तुरंगा गीत गाया गया एवं भोजली थाल को आकर्षक ढ़ग से फूलो से सजाकर बड़े धुम धाम से बाजे गाजे के साथ गांव के तालाब में भोजली का विसर्जन किया गया जिसमें गांव के महिलाएं, पुरूष, बच्चे, बुढ़े सभी भोजली उत्सव में शामिल हुए। साथ ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया जी ने गांव के लोगो को भोजली पर्व की बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया, मुकेश भोपालपुरिया, भुपेन्द्र साहू, रामलल्ला सिंह, सरपंच विनोद राज, गोलू केंवट, विक्की सिंह, विशाल सिंह, जितेन्द्र सिंह, आशीष सिंह, सरोज यादव, तारा सिंह चौहान, रामाधार केंवट, राधे सिंह, संतोष, अखिलेश यादव, अजय सिंह, हरिशंकर यादव, छतराम साहू, राजेन्द्र दुबे, राजकुमार दुबे, आकाश सिंह, नरेश यादव, प्रवीण यादव, विकास यादव, मनीष साहू, विजेता सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर शुभकामनाएं दिए

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व एकल अभियान के कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस थाना रामानुज नगर में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुरक्षा कर्मियों को राखी बांधकर शुभकामनाएं दिए देश के लिए अपने परिवार को छोड़कर हम सब की सुरक्षा में तैनात रहने वाले ऐसे पुलिस कर्मियों को जो देश समाज राष्ट्र का काम में लगे हैं अभियान के सेवावर्तियों के कार्यकर्ताओं के द्वारा आज रामानुज नगर के थाना में पहुंचकर राखी बांधी गई इस कार्यक्रम में खंड कार्यवाह श्रीमान राजेश साहू जी कार्यकर्ता प्रभारी श्रीमान प्रदीप झा जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक श्रीमान सुमित साहू जी,बोधन राम प्रजापति रामनारायण प्रजापति सुन्दर लाल सिंह शिवनारायण सिंह कृष्णा राम सहित अनेक कार्यकर्ता भाई एवं बहन सामिल हुए।

साथी परियोजना अंतर्गत जिला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, अम्बिकापुर राज्य के स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठनों को उनके फसलों के उत्पादन से लेकर विपणन तक सहयोग प्रदान करने की दृष्टिकोण से भारत सरकार की एजेंसी नाफेड (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित) द्वारा साथी परियोजना तैयार की गई है। उक्त योजना को प्रदेश में संचालित करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय को लीड एजेंसी एवं छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को सहायक एजेंसी बनाया गया है। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त, कृषि विभाग की अध्यक्षता में राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जिले में योजना अंतर्गत मिलेट कैफे एवं साथी बाजार स्थापना के लिए आवश्यक बजट, स्थल चयन, एफपी.ओ. एवं स्वयं सहायता समूह एवं उनके व्यवसाय का चयन, कार्य की समीक्षा एवं मार्गदर्शन हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

विगत दिवस अपराह्न 4:00 बजे कलेक्टर की अध्यक्षता समिति के सचिव मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की उपस्थिति में जिला प्रबंधन समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में फीफ नाफेड से श्री मनीष साहू, इं.गां.कृ.वि, रायपुर से स्टेट साथी परियोजना नोडल अधिकारी डॉ. गजेन्द्र चंद्राकर, रा.मो.दे.कृ.महा.वि एवं अनु.केन्द्र, अम्बिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. संतोष सिन्हा, कृषि विज्ञान केन्द्र, सरगुजा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री राजेश चौकसे, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, आजीविका मिशन, महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विश्रामपुर के समीप ग्राम केनापारा में स्थित पर्यटन स्थल को साथी परियोजना के रूप में विकसित करने के लिए निर्णय लिया गया। योजना अंतर्गत साथी परियोजना के संचालन के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा पूर्व में महिलाओं के द्वारा स्थापित कृषक उत्पादक संगठन (एफपी.ओ.) का चयन किया गया। समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि उक्त संगठन को मजबूत करने के लिए 10000 महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जावेगी। समिति द्वारा योजनान्तर्गत विभिन्न संसाधनों को स्थापित करने लिए जिला खनिज न्यास निधि से इं.गां.कृ.वि. को सत्तर लाख रु. दिया जाना प्रस्तावित है।

लिंगानुपात संतुलन के लिए जिले के 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों को किया गया जागरुकता

बालिकाओं दी गयी महिला बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं जानकारी

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में भारत शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' जिसका मुख्य उद्देश बालिकाओ के गिरते लिंगानुपात मे स्थिरता लाना है, इस योजना के मुख्य घटकों में शामिल हैं।

इसी के परिपालन में जिले के 10 शालाओं क्रमश: शा.उ.मा.वि. सोनपुर, कृष्णपुर, देवनगर, अगस्तपुर, सिलौटा, लोलकी, बंजा, शिवप्रसादनगर, बड़सरा, गंगोटी में बालिकाओं, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित कानूनों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई, साथ ही रैली का आयोजन भी किया गया। बालिकाओ के शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने, साथ ही बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। बालिकाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बाल विकास के विभिन्न योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से अवगत कराया गया। बच्चों के अधिकार एवं शोषण के संबंध में उन्हें चाइल्ड टोल फ्री नंबर से अवगत कराते हुए, इस पर बच्चों से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे बाल श्रम, बाल भिक्षावित, बाल विवाह की सूचना प्रदान करने एवं इससे होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, पोक्सो एक्ट के तहत जानकारी प्रदान की गई। बच्चों को शासन की योजनाओं के विषय में विस्तृत रूप से बताया जा रहा है। जिससे बालिकाओं के प्रति सामाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके। बच्चियों के मध्य जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

रामानुजनगर आयुष चिकित्सकों के द्वारा लोगों को निरंतर दी जा रही सेवाएं

ग्रामीण चिकित्सा सहायक ने सम्भाला रामानुजनगर का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर। बात करे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर की जहा पे चिकित्सकों के हड़ताल में चले जाने से वहाँ की स्वास्थ्य बेवस्था चरमरा सी गई थी ऐसे मे वहाँ पदस्थ आर एम ए व आयुष चिकित्सकों के द्वारा लोगो को निरंतर सेवाए प्रदान की जा रही है वहाँ पदस्थ आर एम ए चिकित्सक अफसर अली जी के द्वारा

लगातार रात्रि आपातकालीन चिकत्सीय सेवाय रात्रि मे दूर दराज से आये मरिजो को दी जा रही है इनके द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ डी के विस्कर्मा के मार्गदर्शन

मे स्नेक बाइट ,पॉइजन,उल्टी दस्त जैसे गंभीर मरिजो का उपचार किया जा रहा है

बता दें बीती रात ग्राम लब्जी के एक सक्स ने जहर खा लिया था जिसके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी जब उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया तो उसकी हालत काफी नाजुक थी ऐसे मे अगर रेफर किया जाता तो सायद रास्ते में कुछ भी हो सकता था ऐसे में डॉ अफसर अली आर एम ए व स्टाप नर्स अनीता तिर्की व स्टाप नर्स आसीस नेताम व वार्ड बॉय सुखराम पैकरा के द्वारा लगन और मेहनत कर उस मरीज की जान बचा ली गई जिस से घर के लोगो ने चैन की सांसे ली और उनका यही कहना था की अगर ऐसे चिकित्सक हर स्वास्थ्य केंद्र मे उपलब्ध हो जाये तो रेफर और मृत्यु दर मे कमी हो जाये

ब्रिक्स के विस्तार से दुनिया में संतुलन बनेगा

ललित गर्ग

ब्रिक्स समिट दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है जिसमें अब छह देशों की सदस्यता देने पर सहमति बनी है, जिसमें सउदी अरब, यूएई, मिस्र, इथोपिया, अर्जेंटीना और ईरान शामिल हैं। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये।

फिलहाल दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। एक क्वार्टर दुनिया की जीडीपी ब्रिक्स में है। इन्हीं सब वजहों से दुनिया के देशों को यह आकर्षित करता है और अभी फिलहाल 22 देशों ने इसका सदस्य बनने के लिए आवेदन किया है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। रूस और चीन की यह मंशा कही जा रही थी कि अमेरिका या पश्चिम को यह संदेश दिया जा सके कि पश्चिमी दुनिया को ब्रिक्स चुनौती देगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक संतुलन स्थापित हो रहा है और पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए

राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। अब ब्रिक्स देशों में छह नए देशों के शामिल हो जाने से ब्रिक्स देशों की वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी 26 प्रतिशत हो जाएगी। ब्रिक्स के विस्तार का उद्देश्य पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था में एक काउंटरवेट के रूप में उभरना है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की पेचीदगी कह लीजिए या खूबसूरती, इसमें कदम-कदम पर विडंबनाएं और विरोधाभास देखने को मिलते हैं। सोचिए, एक तरफ चीन से मुकाबले के लिए भारत और अमेरिका साथ आए हैं, तो दूसरी तरफब्रिक्स में चीन और भारत, उन पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफएकजुट हैं जिनका प्रतिनिधित्व अमेरिका करता है।

ब्रिक्स (ब्राजील, भारत, चीन, रूस व दक्षिण अफ्रीका) का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। सितम्बर 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ की साधारण सभा में भाग लेने गये प्रणव दा ने तब इस सम्मेलन के समानान्तर बैठक करके भारत, रूस, चीन व ब्राजील का एक महागठबन्धन तैयार किया था जिसे शुरू 'ब्रिक' कहा गया। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब इसमें इन्हीं महाद्वीपों के छह नये देश शामिल किये गये हैं। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है।

ब्रिक्स ने अपने गठन से लेकर अब तक जो तरक्की की है उसकी उपलब्धि इसके क्षेत्रों की वह आपसी समझदारी रही है जिसके तहत उन्होंने आपसी हितों की सुरक्षा करते हुए विश्व को नया शक्ति सन्तुलन चक्र देने का प्रयास किया है। जबकि रूस, यूक्रेन के बीच पिछले डेढ़ वर्ष से चल रहा वह युद्ध है जिसे पश्चिमी देशों के सामरिक संगठन 'नाटो' ने अनावश्यक रूप से पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बना दिया है। इस युद्ध के चलते पश्चिमी यूरोपीय देशों व अमेरिका ने रूस पर जिस तरह आर्थिक प्रतिबन्ध लगाये हैं उनसे दुनिया के देशों में आपसी कारोबारी भुगतान की नई समस्या ने जन्म लिया है जिसकी वजह से ये देश डालर के स्थान पर अपनी-अपनी मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था की सार्थकता को खोज रहे हैं। इसी वजह से ब्रिक्स सम्मेलन की समाप्ति पर दक्षिण अफ्रीका के मेजबान राष्ट्रपति श्री सिरिल रामाफोसा ने घोषणा की कि सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी है कि संगठन के देशों के विदेश मन्त्री व उनके केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों की एक बैठक बुलाकर यह विचार किया जाये कि क्या कारोबारी भुगतान के लिए देश अपनी-अपनी मुद्रा का प्रयोग कर सकते हैं? ऐसी वित्तीय प्रणाली विकसित होने से दुनिया में जिस नये वित्तीय ढांचे का निर्माण होगा उससे इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं सीधे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी जिसके असर से 'डालर' की ताकत को भी झटका लगेगा। ब्रिक्स का विस्तार होने के बाद दुनिया के दूसरे देशों के लोगों को भी विश्व विकास में अपनी हिस्सेदारी के प्रति ज्यादा विश्वास पैदा होगा और यकीन बनेगी कि दुनिया केवल पश्चिमी यूरोप व अमेरिका के बताये गये सिद्धान्तों पर ही नहीं चलेगी बल्कि इसके संचालन में उनकी भूमिका भी उल्लेखनीय होगी क्योंकि विभिन्न आय व मानव स्रोतों पर उनका भी हक है।

भारत पहले ही साफकर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। ब्रिक्स के विस्तार की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की बातचीत लंबे समय से अटकी हुई है। ब्रिक्स के सदस्य देश चाहते हैं कि यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए और अधिक सीटें हों, ताकि पश्चिमी देशों के प्रभुत्व को कम किया जा सके। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स के विस्तार का स्वागत किया है और कहा कि इससे यह संदेश भी जाएगा कि सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को बदलते समय और परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि नए सदस्यों के शामिल होने से ब्रिक्स मजबूत हो जाएगा और हमारी साझा कोशिशों को भी बढ़ावा मिलेगा। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति से बढ़ा है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स के विस्तार में भारत के रणनीतिक साझीदारों को भी जगह मिले। तो, आनेवाले समय में भारत शायद इंडोनेशिया, वियतनाम और बांगलादेश जैसे देशों की सदस्यता के लिए सिफारिश करे और उनको भी लेकर आए। इसलिए, अगर चीन यह सोच रहा है कि ब्रिक्स के प्लेटफॉर्म को वह अपने मन-मुताबिक इस्तेमाल कर सकेगा, तो वह शायद गलत समझ रहा है। भारत दुनिया में रणनीतिक दांव-पैंतरों से वाकिफ है और उसे अपने कार्ड सजाने और समय की नजाकत को देखते हुए रखने भी आ गए हैं। ग्लोबल साउथ का विश्वास चीन से घटा है और भारत पर बढ़ा है तो आनेवाले समय में नेतृत्व भी भारत ही करे तो कोई आश्चर्य नहीं है।

संपादकीय

खाई बहुत चौड़ी है

आवश्यकता इस बारे में अब ठोस समझ बनाने की है, एलएसी की स्थिति पर चीन के रुख और दोनों देशों की समझ में बरकरार खाई के बीच भारत की उपयुक्त चीन नीति क्या होनी चाहिए। इस बारे में राष्ट्रीय आम सहमति की जरूरत है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात का सार दोनों देशों के बीच समझ और विश्वास की खाई बहुत चौड़ी है। ऊपर से विदेश नीति के घरेलू राजनीति में इस्तेमाल की भारत की सत्ताधारी पार्टी की रणनीति ने इस बारे में देश में कोई आम सहमति बनने का रास्ता रोक रखा है। इस दूसरे पहलू का संबंध उठे इस विवाद से है कि जोहानेसबर्ग में मुलाकात किसकी पहल पर हुई। चूंकि भारतीय जनता पार्टी की रणनीति अपने देशवासियों के मन में लगातार प्रधानमंत्री मोदी की 'मजबूत राजनेता' छवि को मजबूत बनाए रखने की है, इसलिए पक्ष और विपक्ष के बीच यह मसला अहम बन गया। जबकि जरूरत बातचीत से सामने आई खाई पर चर्चा की है। आवश्यकता इस बारे में समझ बनाने की है, इस बरकरार खाई के बीच भारत की उपयुक्त चीन नीति क्या होनी चाहिए। भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने वार्ता के बारे में जो जानकारी साझा की और चीन के विदेश मंत्रालय ने जो कहा, उसके बीच कोई समानता नहीं है। क्वात्रा के मुताबिक मोदी ने शी से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के आमने-सामने जमाव को हटाने और तनाव घटाने पर जोर दिया। उन्होंने भारत का यह रुख दोहराया कि इसके बिना दोनों देशों के संबंधों में सुधार नहीं हो सकता। लेकिन चीनी बयान में इन बातों का उल्लेख नहीं है। उसमें बताया गया कि शी जिनपिंग ने द्वपक्षीय संबंध के बड़े पहलुओं की तरफ ध्यान खींचा और कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ता सुधरना दोनों देशों की जनता तथा क्षेत्रीय एवं विश्व शांति के हित में होगा। संदेश यह है कि चीन एलएसी पर की स्थिति को स्थायी मान रहा है और भारत को इसे स्वीकार कर लेने को कह रहा है। इस स्थिति में प्रश्न उठता है कि भारत के सामने क्या विकल्प है? सरकार अगर एलएसी पर की हालत को लेकर देश को भरोसे में ले और इस मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस कराए, तो देश इस विकल्प पर आम सहमति बनाने की दिशा में बढ़ सकता है।

चीन : बेताल पचीसी!

हरिशंकर व्यास

चीन दुनिया की पहेली है। एक ऐसी पहेली जिसमें मनुष्य बुनियादी तौर पर व्यवहार में भला है मगर तब जब वह आज्ञापालक हो। मतलब वह पिंजरे का अनुशासन लिए हुए हो। स्वतंत्रता बाद में पहले ड्यूटी। पहले आज्ञाकारी फिर अधिकार का हकदार। वैयक्तिकता बाद में पहले कम्युनिटी। संघर्ष बाद में पहले हारमनी, सांमजस्यता! मनुष्य की यह तासीर 'गुआक्सो' जुमले में अभिव्यक्त है। चीन में गुआक्सों वह विषय, वह आईडिया, वह रट्टा है जिसे चाहे तो चीनी मनोदशा या उसकी बुनियाद कह सकते है। मेरी धारणा है कि इसी से ड्रेगन वाली खूंखार तासीर और इतिहास की सभ्यतागत की खुरापाते है। निश्चित ही चाईनीज राजवंशों की इतिहास में वैश्विक डुगडुगी है। लेकिन सबका आधार गुआक्सो प्रवृति का पालतू मानव। चाईनीज सभ्यता के इतिहास में भी वह स्पार्क, वह पुर्नजागरण, सौ फूल खिलने की वे क्रांतिया कहा है जिससे मानव स्वतंत्रता को पंख लगा हो। कौम के नए अनुभव हो। ज्ञान-विज्ञान और सत्य शोध की बुद्धी विकसित हुई हो।

समकालीन समझ में जो लोग चीन को विकसित तथा मनुष्य कल्याण का रोल मॉडल मानते है या उसके विश्व की औद्योगिक फैक्ट्री होने से गौरवान्वित है वे इस सच्चाई से बेखबर है कि चीन, बेताल पचीसी का वह कपटी तांत्रिक और साधू है जिसकी माया अंतत: छली और नकली साबित होगी। पिछले पचहतर वर्षों पर गौर करें। क्या यह सत्य नहीं है कि न माओ की क्रांति से लोगों का, दुनिया का भला हुआ और न देंग शियाओं पिंग व शी जिन पिंग की लालपूंजीवादी रीति-नीति ने लोगों की मनुष्य गरिमा बनाई। चीन में क्या है किसी व्यक्ति की स्वतंत्र बुद्धी या गरिमा की औकात? माओ त्से तुंग ने भी अपनी ताकत, अपने प्रयोगों का जलवा बनाया। उनके बाद देंग शियाओ पिंग ने पूंजीवाद का तंत्र-मंत्र अपनाया। पूंजीवादी तौर तरीकों की नकल से चीन का नया तांत्रिक चौगा बनाया। इसके बूते उपलब्धियों के तमाम झंडे गाढ़े। लेकिन क्या वह सब क्रूरता और नकल से नहीं था? और फिर वैश्विक महामारी कोविड का वायरस फूटा तो बतौर राष्ट्र-राज्य, सभ्यतागत आचरण में उसका क्या व्यवहार था? चीनी व्यवस्था ने अपने ही लोगों के साथ क्या व्यवहार किया? याद करें महामारी के वक्त चाईनीज लोगों के साथ प्रशासन का कैसा सलूक था। मनुष्यों को भेड-बकरी की तरह पकड़ कर बाड़ों में ठूसा गया या उन पर वैक्सीन लगी। उन्हे आंतकित-प्रताडित किया गया। महामारी की विपदा में दुनिया में मनुष्यों के साथ सर्वाधिक पशुगत व्यवहार की जगह चीन था। राष्ट्रपति शी जिन पिंग, उनकी कम्युनिस्ट पार्टी और तंत्र-सिस्टम न अपने लोगों के साथ सही सलूक करते हुए थे और न अंदरूनी और वैश्विक तौर पर जवाबदेह थे। दोषी शी जिन पिंग या बीजिंग का सत्ता वर्ग नहीं है बल्कि 150 करोड चीनियों की मनोदशा की वह विरासत है जिसमें बच्चों को स्कूली शिक्षा से (गुआक्सो) ईसा पूर्व वाले संस्कार पैठाए जाते है. मतलब मानव धर्म है आज्ञा की पालाना। मनुष्य स्वतंत्रता और अधिकार बाद में तथा पहले कर्तव्यकारी और आज्ञाकारी होना। यही है सिनालॉजी का सारतत्व। मतलब चीनी सभ्यता-संस्कृति की प्रकृति, उसकी बुनावट का सार! कंफ्यूशियस ने भी चीनी लोगों के बाड़े में जिंदगी जीने के लिए वैयक्तिक जीवन को उसके परिवेश की दुनिया में जैसे गुथा है वही जड़ दिमाग की वजह है। तभी तो माओं या शी जिन पिंग, कम्युनिस्ट पार्टी का जो शंखनाद वही फिर समाज का उदघोष। उसका टारगेट। इसके सामने व्यक्ति और वैयक्तिक स्वतंत्रता सब बेमानी। चीनी नागरिक को अपनी बुद्धी और स्वतंत्रता को अपने नेता व मालिक को सुपुर्द करना ही है। यों कंफ्यूशियस दर्शन में कई मनभावक सत्य है लेकिन चीन के राजवंशों व साम्राज्यों ने इंसान को उसके हवाले भी प्रजा को जैसेा कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित बनाया है तो उससे समाज का कभी मशीनीकरण हुआ या तो कभी अफीमीकरण।

तभी हर अनुभव, हर प्रयोग और हर समय का आखिर में एक जैसा हश्र। 1978 में चीन विश्व आर्थिकी से बाहर तथा अछूत था। अमेरिकी राष्ट्रपति निक्शन व उनके विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने दिमाग की स्वतंत्र फितरत, अपने अमेरिकी स्वार्थ में चीन पर हाथ रखा। उसका अछूतपना खत्म किया। उसे पूंजी, तकनीक और मशीन दी और चीन की सस्ती-अनुशासित श्रम शक्ति से विश्व आर्थिकी की उत्पादकता बढ़ाई। अमेरिका और पश्चिमी सभ्यता के लिए एक सस्ती औद्योगिक फैक्ट्री बनी। निक्सन, रोनाल्ड रीगन, माग्रेट थेचर आदि पश्चिमी नेताओं को गलतफहमी थी की पूंजीवादी मलाई से लोग और समाज आजाद ख्याल बनेगें। वक्त धीरे-धीरे चीन को लोकतंत्र की और ले जाएगा। जो हो, पश्चिम के पारस से कंगले-भूखे चीन का कायाकल्प हुआ। वह सुनहरा होने लगा। कोई अस्सी करोड लोग भयावह गरीबी से ऊपर उठे। चीन सफलता की वैश्विक कहानी बना। औद्योगिक उत्पादन, निर्यात, विदेश व्यापार और विदेशी निवेश से अर्जित सरकारी मुनाफे व राजस्व से चीन विश्व अर्थव्यवस्था का कुबेर बना।

मगर चीन की मनोदशा में, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रपति शी जिन पिंग, बीजिंग के प्रभु वर्ग में इसका अलग ही अर्थ थी। वह इससे इस गुमान में आया है कि हम मिडिल किंगडम' याकि झोंगजुओ की वह वैश्विक धुरी जिससे बर्बर-हिंसक लोगों से बचने का पथ मार्ग। हमारी नस्ल-खास जिसने वह कर दिखाया जो समकालीन दुनिया में दूसरा कोई नहीं कर सका।

तभी राष्ट्रपति शी जिन पिंग ने अपनी कथित महानता के साथ चीन की महानता की जुगलज़ोडी में ताउम्र राष्ट्रपति बनने का काम किया। अमेरिका से प्रतिस्पर्धा का रोडमैप बनाया। सो परिणाम वही जो पिछली सदी में भी कई जगह देखने को मिला। सोवियत संघ महान होते-होते क्या आज पुतिन की कमान में दुनिया का मवाली देश नहीं है? मेरा मानना है कि पिछसे सवा सौ सालों में हर उस नस्ल और देश के हाथों शक्ति और समद्धि का वरदान ईश्वर-प्रकृति ने छीना है जिसके शासकों ने अंहकार में अपने को भस्मासुर बनाया। फिर भले वह हिटलर रहा हो यो तमाम तरह के कम्युनिस्ट शासक और निरंकुश शासन व्यवस्थाएं।

सचमुच सोचने वाली बात है कि कौन सी नस्ल और कितने देश है जो विचारधारा या हिटलरी तासीर की कमान से समद्धी और स्थिरता का सतत जिंदादिल सफर लिए हुए है?

मुद्दा : कमजोर मानसून ने बढ़ाई चिंता

रविशंकर

देश के कई राज्यों में तेज मानसूनी बारिश देखने को मिल रही है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश के कारण इन दिनों लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ गई है।

उत्तर भारत के दो पहाड़ी राज्य लगातार भारी से आम लोगों की जिंदगी तबाह हो गई हैं, लेकिन एक तरफ जहां उत्तर भारत में मानसून ने बेहाल किया है, वहीं दूसरी तरफ भारत में कई जिले सूखे की कगार पर हैं।

अक्सर सूखे की मार झेलने वाले राजस्थान में भी इस साल सामान्य से अधिक बारिश हुई है। इससे राजस्थान में खरीफ की बुवाई बढ़ी है। राज्य में मूंगफली, सोयाबीन और सूरजमुखी के अलावा कपास की खेती को अच्छी बारिश का लाभ मिलेगा। यूपी, बिहार और झारखंड में सामान्य से कम बारिश हुई है। इन क्षेत्रों में हीटवेव का प्रभाव रहा और अब कम बारिश की मार झेल रहे हैं। इसका असर खरीफ की बुवाई पर पड़ रहा है। बारिश कम होने के कारण किसान धान की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं। इन राज्यों का बड़ा हिस्सा खेती के लिए वर्षा पर निर्भर है। जिन राज्यों में सबसे कम बारिश हुई है उनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल भी शामिल हैं।

कृषि के लिहाज से महत्त्वपूर्ण भारत के इन राज्यों में बारिश की कमी खाद्यान्न उत्पादन और महंगाई पर नियंत्रण के लिहाज से शुभ संकेत नहीं है। अगस्त के शुरुआती दो हफ्तों में मॉनसून की बारिश सामान्य से 36 परसेंट कम है। यूं कहे देश के 717 जिलों में से कम से कम 263 जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश हुई। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि मानसून का ब्रेक चल रहा है, जिसमें देश के कुछ हिस्सों को छोड़ दें तो बारिश बंद है। अगस्त के पहले 15 दिनों में कमजोर मानसून का असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है, जबकि जुलाई में सामान्य से 13 फीसद अधिक बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इसी रफ्तार से बारिश कम होती रही तो कुछ जगहों पर सूखे की स्थिति बन सकती है। एक तरफ देश के कई राज्यों में जहां भारी बारिश के कारण साग-सब्जियों के दाम बढ़ने से महंगाई चरम पर है।

वहीं दूसरी तरफ अगस्त महीने में सामान्य से कम बारिश होने से महंगाई और बढ़ने की आशंका बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी हिमालय की तलहटी और उससे आसपास के इलाकों में एक्टिव है, जबकि देश के अन्य हिस्सों में इसका सक्रिय होना बेहद जरूरी है क्योंकि इन क्षेत्रों में खरीफ फसल की बुवाई का काम 90 फीसद तक पूरा हो चुका है। बुवाई के बाद फसल में सिंचाई की जरूरत होती है। अगर फसल को समय पर पानी नहीं मिले उसके सूखने का खतरा रहेगा। मौजूदा खरीफ सीजन में सरकार ने 158.06 मिलियन टन खाद्यान्न के उत्पादन का लक्ष्य तय किया है जिसमें 111 मिलियन टन चावल, 9.09 मिलियन टन दाल, 13.97 मिलियन टन श्रीअन्न और 24 मिलियन टन मक्का शामिल है। ऐसे में इस लक्ष्य को पाने के लिए फसल को पर्याप्त सिंचाई की जरूरत होगी। अगर पानी की कमी होती है तो सरकार का लक्ष्य पिछड़ सकता है। अभी तक इन फसल पर कोई बुरा असर नहीं देखा जा रहा है क्योंकि सिंचाई का काम अभी पिछड़ा नहीं है, लेकिन आगे खतरा पैदा हो सकता है।

खरीफ फसल, विशेषकर चावल, दलहन, सोयाबीन और तिलहन का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। क्योंकि इसकी खेती के लिए सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है। ऐसे में कमजोर मानसून महंगाई की चिंता बढ़ा रहा है। भारत में इस बार मानसून के कमजोर रहने का सबसे बड़ा कारण अल-नीनो कंडीशन का बनना मान रहे हैं। अल-नीनो में पश्चिमी प्रशांत महासागर में समुद्र का तापमान सामान्य से कम हो जाता है, जिसका असर भारत के मानसून पर पड़ता है। हालांकि, मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 18 अगस्त से पूर्वी और दक्षिणी भारत के राज्यों में बारिश से की मात्रा फिर से बढ़ सकती है। हालांकि, यह बारिश ज्यादा नहीं होगी। पिछले 70 साल का इतिहास देखें तो 15 साल ऐसी स्थिति रही जब अल-नीनो की कंडीशन रहीं। इन 15 साल में से 9 साल (सीजन) ऐसे रहे थे जब मानसून की बारिश सामान्य से कम हुई है। भारत के लगभग 65 प्रतिशत रकबे में वर्षा आधारित खेती होती है। उसमें भी खरीफ सीजन में सबसे ज्यादा वर्षा आधारित खेती होती है। भारत के तमाम राज्यों में पूरे साल में जितनी बारिश होती है उसकी लगभग 90 फीसद बारिश इन्हीं चार महीने में रिकॉर्ड की जाती है। वहीं अगर मानसून जून, जुलाई, अगस्त या सितम्बर में कमजोर होता है, तो भारत में खाद्यान्न उत्पादन पर संकट आ जाता है और यह भारत की पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर 2 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है तथा कम-से-कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा द्वारा ही प्राप्त होता है। ऐसे में कमजोर मानसून या अति वर्षा' दोनों में फसल का उत्पादन प्रभावित होता है।

भारत की जी-20 की अध्यक्षता में एक समावेशी वैश्विक स्वास्थ्य संरचना की आधारशिला रखी गयी

डॉ. मनसुख मंडाविया

भारत नई दिल्ली में 18वें जी20 राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस परिदृश्य में हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि वास्तव में समावेशी और समग्र सार्वभौमिक स्वास्थ्य संरचना के निर्माण के लिए ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ को जोड़ने वाले सेतु की आधारशिला रखी जा चुकी है, जब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में आयोजित स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक में कहा, हमें अपने नवाचारों का जनकल्याण के लिए उपयोग करना चाहिए। हमें वित्तपोषण के दोहराव से बचना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी की न्यायसंगत उपलब्धता की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

यह देखकर खुशी होती है कि शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय मंच के सदस्यों ने महामारी के वर्षों के दौरान और उसके बाद से अर्जित सामूहिक ज्ञान के आधार पर कार्य करने के लिए एक लंबा सफर तय किया है - वास्तविक स्वतंत्रता तभी शुरू होती है, जब पूरी मानवता के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है। यदि कोई वायरस तबाही मचाने का फैसला करता है और हम इसका मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो समाज किसी भी स्तर की आर्थिक खुशहाली का आनंद नहीं ले सकता है। यह बात, भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श की अंतर्निहित अवधारणा रही है।

मंत्रियों, वरिष्ठ नीति निर्माताओं और बहुपक्षीय एजेंसियों ने स्पष्ट तौर पर भारत की जी20 स्वास्थ्य प्राथमिकताओं का समर्थन किया है, जो सभी की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और उनकी क्षमताओं की जटिलताओं पर प्रकाश डालता है। इस प्रक्रिया में, हम बात पर एक व्यापक सहमति बनाने में सफल रहे हैं कि भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों को रोकने, इसके लिए तैयार रहने और इसका मुकाबला करने के लिए सामूहिक वैश्विक कार्रवाई ही आगे का रास्ता है और महामारी से उबरने की प्रक्रिया न्यायसंगत होनी चाहिए।

स्वास्थ्य पर कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक कार्रवाइयों में शामिल हैं, चिकित्सा उपाय प्लेटफार्म के सिद्धांतों और संरचना पर आम सहमति बनाना, जो टीकों, उपचार, निदान और अन्य समाधानों तक पहुंच से जुड़ी मौजूदा असमानताओं में कमी ला सकता है और जिन्हें स्वास्थ्य संकटों से निपटने में प्रभावी उपाय माना जाता है; डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक पहल, जो देशों की डिजिटल स्वास्थ्य पहल की प्रगति की इस प्रकार सहायता करे कि अपने विशिष्ट संदर्भ में अन्य देशों के लिए समाधान अपनाने में अंतर को कम किया जा सके; इस बारे में अपनी समझ विकसित करना कि जलवायु और स्वास्थ्य एक-दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं, ताकि विशिष्ट समाधानों को प्राथमिकता दी जा सके; और पारंपरिक औषधियों के हमारे भंडार से जानकारी प्राप्त करना, ताकि हमारे भविष्य का स्वास्थ्य हमारे अतीत के ज्ञान से लाभ उठा सके।

प्रतिरोधी चिकित्सा उपाय प्लेटफ़ॉर्म की आवश्यकता- दुनिया भर में कोविड-19 टीकाकरण और नैदानिक चिकित्सा ने हमारी निहित असमानताओं को उजागर किया है, जिन्हें हमें दूर करना होगा। आपस में अत्यधिक जुड़ी हुई दुनिया में, किसी देश में रोगाणुओं का खतरा, पूरी दुनिया के लिए खतरा है और हमें सिद्धांतों तथा एक वैश्विक संरचना पर सहमत होना चाहिए, जो टीकों, नैदानिक परीक्षणों, दवाओं और अन्य समाधानों तक न्यायसंगत और समय पर पहुंच में सभी देशों को सक्षम बना सके।

ऐसा वैश्विक प्लेटफार्म समावेशी होना चाहिए, जिसका अर्थ है कि यह उन देशों को ध्यान में रखता है, जो समाधान तक पहुंच में बाधाओं का सामना करते हैं; कुशल होना चाहिए, जिसका अर्थ है कि यह मौजूदा क्षमताओं और नेटवर्क पर तेजी से आगे बढ़ता है; कार्यकुशल और अनुकूल होना चाहिए; जिसका अर्थ है कि इसमें बदलती जरूरतों और वैज्ञानिक प्रमाणों के अनुसार तेजी से अनुकूलन करने के लिए अंतर्निहित लचीलापन है; और जवाबदेह होना चाहिए; जिसका अर्थ है कि एक पारदर्शी संरचना में स्पष्ट और साझा जिम्मेदारी है। इसे शीघ्रता से किफायती चिकित्सा समाधान उपलब्ध कराने चाहिए। जी20 के माध्यम से, हमने डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व में ऐसे प्लेटफार्म को लागू करने के परामर्श के लिए एक अंतरिम व्यवस्था के निर्माण पर बिना किसी देरी के अपनी प्रतिबद्धता जताई है, जहाँ निम्न और मध्यम आय वाले देशों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, ताकि अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति से मुकाबले के लिए हम पूरे तरह तैयार रहें।

जी-20 देशों ने विशेष रूप से विकासशील देशों में टीकों, चिकित्सीय और नैदानिक उत्पादों की क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान एवं विकास के एक इकोसिस्टम को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि स्वास्थ्य-आपातकालीन स्थितियों में बाजार की विफलताओं से बचा जा सके।

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल का शुभारंभ- सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में, डिजिटल स्वास्थ्य सबसे शक्तिशाली उपायों में से एक के रूप में उभरा है। महामारी के दौरान हमने भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का अनुभव किया है। कोविड-19 के दौरान, डिजिटल जनकल्याण उपायों के रूप में परिकल्पित को-विन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूर्ण रूप से गेम-चेंजर साबित हुए, जिसने एक अरब से अधिक लोगों तक, जिनमें सबसे कमजोर समुदाय भी शामिल थे, टीकों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के तरीके को पूरी तरह से लोकतांत्रिक बना दिया। भारत पहले से ही एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम - आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को तैयार कर रहा है, जो मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड का संग्रह करने, मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुँच प्राप्त करने और उचित उपचार व अनुवर्ती चिकित्सा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ मेडिकल रिकॉर्ड साझा करने का अधिकार देता है।

सार-समाचार

स्कूली बच्चों ने किया ग्रामीण औद्योगिक पार्क पस्ता का भ्रमण

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले के जनपद पंचायत रामानुजनगर के ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) पस्ता में स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण किया गया। पस्ता में संचालित गतिविधियों को देखकर बच्चों के चेहरे पर खुशी की झलक देखने को मिली। आज रीपा सेंटर में समूह की महिलाओं को सिलाई इकाई में उन्होंने कपड़ों को सिलते देखा, आलू चिप्स निर्माण इकाई में उन्होंने आलू चिप्स बनते देखा, पेवर ब्लॉक निर्माण इकाई में उन्होंने पेवर ब्लॉक निर्माण का कार्य देखा, फ्लाई एस ब्रिक्स निर्माण का कार्य देखा। सभी कार्यों को देखकर बच्चे बहुत उत्साहित हुए। बच्चों को विकासखंड परियोजना प्रबंधक माधुरी भंडारी द्वारा बताया गया कि यहां किस प्रकार से एक बेहतर इकोसिस्टम निर्माण कर ग्रामीण जनों की अर्थव्यवस्था को शासन के सकारात्मक कदम के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के नागरिक, शिक्षक एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कैडर उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के तहत निर्मित गुणवत्ता विहीन प्लेटफार्म तोड़ा गया

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी ग्रामों में पाईप लाईन, टकी निर्माण एवं प्लेटफार्म निर्माण के कार्य वृहद रूप से किया जा रहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों का सतत् मानीटरिंग विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ यूनिसेफ टीपीआई एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से भी सतत् रूप से किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम गजाधरपुर में मेसर्स रामनिवास के अनुबंध के अंतर्गत प्लेटफार्म निर्माण मानक अनुरूप नहीं पाये जाने पर निर्मित 20 से अधिक प्लेटफार्म को तोड़ा गया। जिसे ठेकेदार द्वारा पुन: निर्माण किया जा रहा है।

क्रॉम्पटन ने गार्डन और गेट लाइट्स की अपनी नई सोलरियन श्रृंखला लॉन्च करके आउटडोर लाइट्स के सेगमेंट में कदम रखा

रायपुर। अपनी अनोखी पेशकशों से उपभोक्ता के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिये प्रसिद्ध, क्रॉम्पटन ग्रीव्ज कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (सीजीसीईएल) ने आउटडोर लाइटिंग की अपनी नई खूबसूरत और विविधतापूर्ण श्रृंखला सोलरियन गार्डन लाइट्स को लॉन्च करने की घोषणा की है। गुणवत्ता, दीर्घकालिक टिकाऊपन और नवाचार में 80 वर्षों की विरासत के साथ बाहरी स्थानों की सुन्दरता बढ़ाने के लिए बनी इस नई श्रृंखला में ब्राण्ड और उसकी सेवा का वादा जुड़ा है। इन नये लाइटिंग फिक्सचर्स पर पानी, मौसम और जंग का असर नहीं होता है। इन्हेंउपभोक्ताओं द्वारा चुने जाने के लिये विविधतापूर्ण श्रृंखला में पेश किया गया है। इस प्रकार यह हर मौसम में आपकी पगडंडी को जगमगाने और बगीचे की खूबसूरती को बढ़ाने का सबसे बढ़िया समाधान है। आउटडोर सजावट पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, क्योंकि लोग अपनी आउटडोर जगहों को मनपसंद निजी आश्रय बनाने के लिये समय और मेहनत खर्च कर रहे हैं। खुशनुमा आँगन से लेकर बगीचे के जीवंत परिदृश्यों तक, लोग आराम और मनोरंजन के लिये आकर्षक और सजीला माहौल बनाना चाह रहे हैं। अपनी आउटडोर जगहों को महत्व देने वाले, उद्यान प्रेमी ऐसे लाइटिंग सॉल्यूशंस चाह रहे हैं, जो न सिर्फ उनके बगीचे की खूबसूरती बढ़ाए, बल्कि हर मौसम में टिकाऊ भी रहे, ताकि रख-रखाव में भी पूरी देखभाल सुनिश्चित हो सके। उनकी आवश्यकताओं पर गहरी समझ के साथ क्रॉम्पटन का लक्ष्य लाइटिंग के भरोसेमंद समाधानों - अपने सोलरियन गार्डन लाइट्स की विविध रेंज - से आउटडोर सजावट के उनके विचारों को जीवंत बनाने में उनकी मदद करना है, जो समय की कसौटी पर खरा उतरेगी। क्रॉम्पटन के आउटडोर लाइटिंग फिक्सचर्स की नई श्रृंखला उपभोक्ताओं को विविधतापूर्ण विकल्प भी देती है।

रैली निकाल कर भारी संख्या में समाज के लोगों ने टीएस सिंह देव को सौपा ज्ञापन

सर्व यादव समाज वादा के मुताबिक टिकट मांगने पहुंचे डिप्टी सीएम के पास

समाज के लोगों को टिकट ना मिलने पर समाज लेगा उचित निर्णय

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर सर्व यादव समाज के बैनर तले 30अगस्त को सरगुजा संभाग के सर्व यादव समाज के सैकड़ों के तादाद में अग्रसेन भवन से रैली निकाल कर डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव के पास मुलाकात कर सरगुजा संभाग में सर्व यादव समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में टिकट देने की मांग कर समाज के तरफसे ज्ञापन सौप गया है और कहा गया है कि 20 अप्रैल को सरगुजा जिला मुख्यालय में यादव स्वभिमान सम्मेलन का आयोजन किया गया था।उसमें लगभग 25 हजार के संख्या में समाज के लोग उपस्थित हुए थे।इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित टीएस सिंह देव, अमरजीत भगत सहित तमाम नेता आये हुए थे।मंच से घोषणा किया गया था कि एक सीट सरगुजा संभाग से यादव समाज के लोगों को देंगे जिस बात को भी याद दिलाया गया हैऔर कहा गया है कि जो वादा किया गया है से पार्टी निभाये लेकिन अभी तक डुल मूल रवैये के कारण समाज के लोग संतुष्ट नहीं है।वहीं डिप्टी सीएम ने कहा हैं कि आप लोगों को टिकट देने के लिए सम्मेलन में कहा गया था।देखते हैं आगे क्या परस्थिति बनती है।

टिकट नहीं मिलने पर समाज उचित निर्णय लेगा- समाज के लोगों ने भाजप ,कांग्रेस दोनों दलों के प्रमुख नेताओं से बात कर टिकट की मांग रखी है अगर दोनों दल टिकट देने की मांग को अनसुना करते हैं तो पुन: बड़ा सम्मेलन कर समाज उचित निर्णय लेगा और उस बार समाज आर पार की लड़ाई लड़ेगी।सभी समाज प्रमुख लोगों के समक्ष यह निर्णय लिया गया है।वहीं कल कांग्रेस पार्टी से आवेदन करने वाले सभी प्रत्याशी भी डिप्टी सीएम के समक्ष उपस्थित रहे। इस अवसर पर देवनारायण यादव सम्भागीय अध्यक्ष, शिवनाथ यादव प्रदेश संगठन मंत्री, हीरालाल यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, परमेश्वर यादव प्रदेश अध्यक्ष युवा विग, हरि यादव बलरामपुर जिला अध्यक्ष।बसंत यादव मीडिया प्रभारी सरगुजा, रामशंकर यादव जिला अध्यक्ष सूरजपुर, रामचंद्र यादव, गणेश यादव अध्यक्ष युवा विग सरगुजा, तुलसी यादव, जनपद उपाध्यक्ष प्रेमनगर ,संजय यादव, शिवबालक यादव, जनपद उपाध्यक्ष ओड़गी।राजू यादव, आशीष यादव नगर पंचायत अध्यक्ष विश्राम पुर जय पाल यादव, सूरज यादव, मोती यादव, बैजनाथ यादव, संतोष यादव, जीवन यादव, रामपुकार यादव ,पप्पू यादव, रामनरायन यादव,दुर्गा यादव, तारा चंद यादव, ननका यादव लाल बहादुर यादव जिला मीडिया प्रभारी सूरजपुर सहित सैकड़ों के संख्या में समाज के लोगों उपस्थित रहे।

कांग्रेस चुनाव घोषणापत्र समिति की सदस्य हेमा देशमुख को महिलाओं ने दिए कई सुझाव

वार्ड स्तर के महिला स्व सहायता समूहों को विशेष सब्सिडी दी जाए- लता जंघेल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र समिति की सदस्य एवं राजनांदगांव की महापौर श्रीमती हेमा देशमुख का आज दूर्ग आगमन हुआ। उन्होंने दुर्ग जिला महिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष लता जंघेल के निवास पर वार्ड नंबर 47 व 48 की महिलाओं की बैठक ली। जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव में जो 36 वादे किए थे उसमें से 34 पूरे हो गये हैं। इस बार कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र को और प्रभावी बनाने महिलाओं से रायशुमारी हो रही है अत: महिलाएं सुझाव दें। इस पर लता जंघेल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महिला स्व सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने अच्छा काम किया है। महिलाओं को इसका लाभ भी मिला है लेकिन निचले स्तर के महिला स्व सहायता समूहों को जो वार्ड स्तर पर काम करते हैं उन्हें समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसलिए ऐसे महिला स्व सहायता समूहों को विशेष सब्सिडी दी जाए और और उनके द्वारा बनाई जाने वाली सामग्री की मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए। इसे हेमा देशमुख ने अच्छा सुझाव माना। इसी तरह महिला कांग्रेस की वार्ड अध्यक्ष शारदा साहू ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं को हर माह दो हजार रूपये की सम्मान राशि देने का सुझाव दिया। छत्तीसगढ़ी फिल्मों की अभिनेत्री उर्वशी साहू ने कलाकारों को प्रोत्साहित करने तथा उम्रदराज ग्रामीण कलाकारों को पेंशन देने का सुझाव दिया। फुलेश्वरी साहू ने कहा कि अब सीबीएससी से बीएड करने वालों को शिक्षक भर्ती में प्राथमिकता मिल रही है ऐसे में पुराने बीएड वालों के रोजगार के अवसर खत्म हो रहे हैं। शिक्षा भर्ती में पुराने बीएड वालों को पहली प्राथमिकता मिलनी चाहिए। हेमा देशमुख ने कहा कि वे इन सुझावों से चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष मोहम्मद अकबर को अवगत कराएंगी और इसे घोषणापत्र में शामिल कराने का प्रयास करेंगी। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने वार्ड क्रमांक 47 रायपुर नाका में एक महिला सामुदायिक भवन बनाने की मांग की जिस पर श्रीमती हेमा देशमुख ने तत्काल दूरभाष पर विधायक अरुण वोरा से चर्चा कर तुरंत 5 लख रुपए विधायक निधि से सामुदायिक भवन हेतु देने की घोषणा की जिसका उपस्थित महिलाओं ने स्वागत किया! इसके पूर्व हेमा देशमुख का लता जंघेल व अन्य महिलाओं ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव कुसुम दुबे, राजनांदगांव शहर जिला महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष माया शर्मा, पार्षद श्रद्धा सोनी सहित वार्ड की लगभग 100 से अधिक महिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थी!

दल्लीमाइंस में हुआ हादसा, प्लांट का 60 - 70 फीट का हिस्सा टूटकर मालगाड़ी पर गिरा

दल्लीराजहरा। दल्ली प्लांट में रेल्वे पटरी के ऊपर से जाने वाला कन्वेयर बेल्ट 16,17 धराशायी होकर गिर गया। उक्त घटना में कोई जान-माल के हानि नहीं होने की सूचना मिली है। घटना के कारण दल्ली प्लांट का उत्पादन पूर्ण रूप से बंद रहा । घटना का कारण लंबे समय से अत्यधिक जर्जर एवं स्पीलेज मटेरियल का अधिक भार होना बताया जा रहा है। प्रबंधन की उदासीनता के कारण कन्वेयर बेल्ट के आजू-बाजू में , स्पिलेज मटेरियल का जमाव अत्यधिक हो गया था जिन्हें की लंबे समय से साफ नहीं किया जा रहा था जिसकी वजह से पुराने और जर्जर हो चुके प्लांट साथ ही कई टन माल जमा होने के कारण प्लांट का यह यह हिस्सा टूटकर गिर गया द्य, अभी भी प्लांट की कई हिस्सों में इस प्रकार का मटेरियल जमा हुआ है जिसमें की कर्मचारी कार्य करते हैं। जानकार सूत्र बताते हैं कि प्लांट क्षेत्र में बीएसपी द्वारा सही ढंग से रख रखाव का काम नहीं किया जाता जिसकी वजह से आए दिन कुछ ना कुछ होता ही रहता है। रेलवे ट्रैक के ऊपर गिरने के बावजूद गनीमत यह रही की कोई भी व्यक्ति आसपास नहीं था नहीं तो जन हानि होने की संभावना थी।

रॉयल स्टैग बूमबॉक्स ने वायकॉम18 के साथ साझेदारी में अपना चैथा ओरिजनल गीत इम्तिहान रिलीज किया

नईदिल्ली। रॉयल स्टैग बूमबॉक्स, वायकॉम 18 के साथ गठबंधन में संगीत की एक नई शैली पेश करने के लिए तैयार है, जिसमें बॉलीवुड की मधुर धुन और हिप हॉप के मिश्रण से जनरेशन लार्ज की ओरिजनल साउंड का निर्माण होता है। संगीत हर पीढ़ी के लोगों में भावनाएँ जगा देता है, इसलिए यह सीग्राम के रॉयल स्टैग के लिए जोश का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। आज के आधुनिक समय में युवा ग्राहक संगीत के रोमांचक व नए रूपों में ज्यादा रुचि रखते हैं। 'लिविंग इट लार्ज' की भावना का जश्न मनाते हुए और मणिपाल, भुवनेश्वर, पुणे, इंदौर एवं देहरादून में अपने अनूठे ऑन-ग्राउंड अनुभवों से हजारों संगीत-प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देने के बाद, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स 4 ओरिजनल संगीत ट्रैक के लॉन्च के साथ अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। रिलीज होने वाले चैथे ओरिजनल म्यूजिक ट्रैक में मधुर गायिका, नीति मोहन और प्रतिष्ठित रैपर, ईपीआर का अनूठा गठबंधन है। ईपीआर ने कहा मुझे रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का हिस्सा बनने की बहुत खुशी है। एक अद्वितीय मंच है जिसने मेरे जैसे रैप कलाकारों को भारत में विकसित होते हिप हॉप को आगे बढ़ाने का अवसर दिया है। मुझे इम्तिहान में नीति मोहन के साथ काम करके बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा। गायिका नीति मोहन ने कहा एक कलाकार के रूप में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म को एक नये संगीत का निर्माण करते देखकर बहुत अच्छा लगा। इस प्लेटफॉर्म के कॉन्सेप्ट के अनुसार ही हमारे गीत इम्तिहान में हिप हॉप और बॉलीवुड को बहुत दिलचस्प तरीके से एक साथ पेश किया गया है। इस नये गीत इम्तिहान में बॉलीवुड और हिप-हॉप शैलियों का आकर्षक संगम है जो संगीत का मनोरम अनुभव पेश करता है। यह गीत भावनाओं की गहराई में ले जाता है और कलात्मक प्रतिभा खोजने के संघर्ष का प्रदर्शन करता है। अपने नाम के अनुसार यह गीत कलाकारों द्वारा बाधाओं को पार करने और मधुर संगीत का निर्माण करने की कोशिश करने की प्रकृति का आकलन करता है।

जिले में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारंभ

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, रायपुर के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री संजय अग्रवाल के निर्देषन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम के मार्गदर्षन में 01 से 15 सितम्बर 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा के प्रथम दिवस पर आज जिले के समस्त विद्यालयों में छात्र, छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से स्वच्छता शपथ का वाचन किया गया। जिसमें जिला विकासखण्ड के अधिकारी व कर्मचारियों ने भी अपनी सहभागिता दी। जिले में संचालित 2401 शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, आवासीय विद्यालयों, छात्रावास के कुल 104530 छात्र, छात्राओं ने स्वच्छता शपथ ग्रहण करते हुए रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वीप के कार्यक्रम के तहत नये वोटरों किया जा रहा जागरूक

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक लोगों को मताधिकार का उपयोग करने के उद्देश्य से विगत दिवस जिले के 10 शालाओं क्रमश: शा.उ.मा.वि. सोनपुर, कृष्णपुर, देवनगर, अगस्तपुर, सिलौटा, लोलकी, बंजा, शिवप्रसादनगर, बड़सरा, गंगोटी में में बच्चों को चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने एवं चुनाव में बढ़ छड़कर हिस्सा लेने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही सभी मतदाताओं को देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुणय रखते हुए निर्भिक होकर धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा एवं अन्य किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के संबंध में जागरूक किया गया तथा मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप कार्यक्रम के तहत शपथ भी लिया गया। जिसमें अधिक से अधिक मतदान करने के संबंध में शपथ लिया गया। वयस्क बालकों को जागरूक मतदाता की तरह अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु बीएलओ के माध्यम से वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया गया तथा विद्यालय के बालकों को मताधिकार करने के संबंध में शपथ दिलाई गई।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाए - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा ने कहा कि विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के कार्य को सफलतापूर्वक एवं स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाए। श्री शर्मा आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विधानसभा आम निर्वाचन के रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, प्रभारी अधिकारियों तथा नोडल अधिकारियों के अलावा पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से चुनाव संपन्न कराना निर्वाचन आयोग एवं प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। जो कि निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों के कार्य, व्यवहार एवं आचरण में परिलक्षित होनी चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्वत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चंद्रकांत कौशिक, अपर कलेक्टर श्री शशांक पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शर्मा ने निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी तैयारियों की बारी-बारी से समीक्षा की। इसके अंतर्गत उन्होंने कानून व्यवस्था के अंतर्गत पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों की रूकने की व्यवस्था तथा संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों तथा तहसीलदारों एवं थाना प्रभारियों को समन्वय बनाकर तथा संयुक्त रूप से फील्ड विजिट कर वस्तु स्थिति की जानकारी रखने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने जिले में मादक पदार्थों के अवैध परिवहन एवं विक्रय की स्थिति की समीक्षा करते हुए पुलिस एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को इस कार्य में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत दावा आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त को वृद्धि कर 11 सितंबर 2023 तक कर दी गई है। उन्होंने सभी रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर अनिवार्य रूप से कार्रवाई विवरण बनाने के निर्देश दिए। मतदान केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए जिले के मतदान केंद्रों में अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के अलावा मतदान दलों के लिए भोजन व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत एवं शौचालय तथा ठहरने आदि की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मतदान दलों एवं निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के लिए जरूरी चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मतदान दलों के लिए जरूरी दवाइयों से युक्त चिकित्सा किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में श्री शर्मा ने मतदान दलों को मतदान केंद्र तक सुरक्षित पहुँचाने तथा वापसी हेतु रूट चार्ट का निर्धारण की भी समीक्षा की तथा इसके लिए उन्होंने नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान केंद्रों तक पहुँचने में असमर्थ 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम मतदान की सुविधा प्रदान करने के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने मतदान दलों के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विकासखण्डवार प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने सभी प्रशिक्षण में सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों एवं तहसीलदारों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि मतदान दलों का प्रशिक्षण बेहतर से बेहतर होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम की तैयारियों की भी समीक्षा की। इसके अंतर्गत उन्होंने ई.व्ही.एम. को लाने ले जाने के लिए निर्धारित रूट, सीसीटीवी कैमरा आदि सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्ट्रांग रूम में आब्जर्वर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के लिए भी पृथक से कक्ष बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मतदान सामग्रियों की वितरण व्यवस्था, रेण्डमाइजेशन आदि के कार्यों की भी समीक्षा की। श्री शर्मा ने चुनाव के दौरान आने वाले प्रेक्षकों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा लाईजनिंग ऑफिसर नियुक्त करने के भी निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

युवक के बैंक खाते से डेढ़ लाख से अधिक रकम पार

रायपुर। अज्ञात मोबाइल धारक ने युवक के खाते से 13 बार में 1 लाख 98 हजार 900 रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राकेश साहू 40 वर्ष नया तालाब के पास गुढियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी जो पेटीएम से 100 रुपए क्रेडिट किया था। इसी संबंध में बात करने के लिए पेटीएम का कस्टमर केयर का नंबर गुगल पर सर्च कर मोबाइल नंबर 93609-70889 से बात किया। जिस पर आरोपी ने रस्ट डेस्क डाउनलोड कराकर प्रार्थी के बैंक ऑफ बड़ौदा के खाता से 13 बार में 1 लाख 98 हजार 900 रुपए आहरण कर लिया। जब प्रार्थी को जानकारी हुई तो उसने इसकी शिकायत गुढियारी थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक के खाते से 96 हजार पार

रायपुर। हेल्थ इंश्योरेंस हटाने के नाम पर युवक के क्रेडिट कार्ड से 96 हजार रुपए पार करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमंत कुमार साहू 29 वर्ष बजरंग चौक छोटा रामनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात मोबाइल नंबर 99582-80628 से प्रार्थी के पास कॉल आया। उक्त व्यक्ति ने अपने आपको डीबीएस बैंक से बोलना बताकर प्रार्थी के हेल्थ इंश्योरेंस हटाने के नाम पर प्रार्थी के पास ओटीपी भेजा। जिससे प्रार्थी ने ओटीपी नंबर बताया, तो आरोपी ने उसके क्रेडिट कार्ड से 96 हजार रुपए आहरण कर लिया। जब इस बात की जानकारी प्रार्थी को हुई, तो उसने इसकी शिकायत गुढियारी थाना में की। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पैसे के लेन-देन को लेकर दो पक्ष भिड़े

रायपुर। बैजनाथपारा धोबी गली में पुराने पैसे के लेन-देन को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थी दानिश खान 22 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि पुराने पैसे के लेन देन को लेकर आरोपी हुसैन अली व अन्य ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी हुसैन अली 30 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी दानिश खान ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

नेताजी चौक से बाइक पार

रायपुर। नेताजी चौक कटोरातालाब में खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुनील सिंह राजपूत 42 वर्ष प्रोफेसर कालोनी पुरानी बस्ती का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी पल्सर बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएक्स 7547 से नेताजी चौक आया था। तभी अज्ञात चोर ने उसकी बाइक को पार कर दी। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दो बाइक आपस में टकराई, एक की मौत

रायपुर। खरोरा रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास दो बाइक आपस में टकरा गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा युवक घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले में आरंग पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक भूनेश्वर गिरी गोस्वामी 27 वर्ष ग्राम देवरी का रहने वाला था। वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 डीके 9116 से अपने दोस्त राकेश साहू के साथ कहीं जा रहा था। तभी पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास आरोपी बाइक क्रमांक सीजी 04 एम 9023 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक चालक भूनेश्वर गिरी गोस्वामी की मौत हो गई। मामले में आरंग पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 11 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार आजाद चौक पुलिस ने आश्रम तिराहा के पास सरेआम शराब पीते आरोपी मिलेंद्र ढीमर 27 वर्ष व फ्नेश्वर साहू 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी गुनीराम पुंडे 52 वर्ष व डीडीनगर पुलिस ने आरोपी संजय पटले 28 वर्ष।

कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने ग्रामवासियों से की भेंट मुलाकात

प्रदेश के सभी वर्गों के लिए बनाया गया राशन कार्ड- मोहम्मद अकबर

- ग्राम महाराजपुर में पटेल समाज भवन के लिए 5 लाख और मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर अपने एक दिवसीय कबीरधाम प्रवास के दौरान बोड़ला विकासखंड के ग्राम महाराजपुर आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए किसानों, ग्रामीणों, भूमिहीन श्रमिक मजदूरों, महिलाओं से सीधा संवाद किया और गांव तथा क्षेत्र विकास की दिशा में ग्रामीणों से सुझाव भी मांगे। उन्होंने राज्य सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं का फीडबैक भी लिया। मंत्री श्री अकबर ने ग्राम पंचायत महाराजपुर में पटेल समाज भवन के लिए 5 लाख और मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि पिछले वर्ष सरकार ने 1 करोड़ 10 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। इस वर्ष इससे भी ज्यादा धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को उनके उपज का सही दाम दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर वर्ग के लिए राशन कार्ड बनाया जा रहा है। सभी को खाद्यान वितरण भी किया जा रहा है। खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार सभी को है। उन्होंने किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विधानसभा के दौरान धान विक्रय की सीमा प्रति एकड़ 15 क्विंटल से बढ़ाकर 20 क्विंटल करने की घोषणा की है, इसका सीधा लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की न्याय योजनाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और इससे प्रदेश के सभी वर्गों में समृध्दि और खुशहाली आई है। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में न्याय योजनाओं के माध्यम से किसानों, पशुपालकों और खेतिहर मजदूरों को आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपए की राशि लोगों की जेब में डाली गई है। जिसके कारण खेत-खलिहानों से लेकर उद्योगों तथा बाजारों में खुशहाली है। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत सभी खरीफ फसलों उद्यानिकी, वृक्षारोपण, कोदो, कुटकी, रागी फसल लेने वाले किसानों को इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। मंत्री श्री अकबर ने बताया कि राज्य के किसानों पर बकाया कृषि ऋण और सिंचाई कर माफकिया गया है। साथ ही किसानों के लिए मुफ्त और रियायती दरों पर बिजली देकर बड़ी राहत दी गई है। इस असवर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री ऋषि शर्मा, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष श्री नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष श्री चोवाराम साहू, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। केबिनेट मंत्री श्री अकबर ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 10 बिस्तर आइसोलेशन वार्ड बनने से स्वास्थ सुविधाओं का बेहतर लाभ नागरिकों को मिलेगा।

अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का सम्मान

- वन मंत्री श्री अकबर ने विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

रायपुर। संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के समस्त विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। गौरतलब है कि हरियाणा राज्य के पंचकूला में सम्पन्न हुई 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ 12वीं बार ओवर ऑल चैम्पियन बना है। छत्तीसगढ़ ने कुल 129 मेडल जीतकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कर्नाटक को पछाड़ते हुए पुन: अपना प्रथम स्थान कायम रखा। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने छत्तीसगढ़ राज्य की अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वन विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इनके बेहतर प्रदर्शन से वन विभाग की टीम सहित पूरा छत्तीसगढ़ राज्य गौरवान्वित हुआ है। साथ ही विभागीय काम-काज में भी वन विभाग का बेहतर प्रदर्शन रहा है। इसके परिणाम स्वरूप वन विभाग को अपने विभागीय गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 9 विभिन्न पुरस्कार भी प्राप्त हुए है। कार्यक्रम को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव तथा नोडल अधिकारी एपीसीसीएफ श्री सुनील मिश्रा ने भी संबोधित किया और प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के वन विभाग की टीम की सफ्लता पर प्रसन्नता व्यक्त की। अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, तैराकी, कैरम, चेस, वेटलिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, कबड्डी जैसे इंडोर गेम के साथ-साथ क्रिकेट, फुटबॉल, बॉस्केट बॉल, हॉकी, गोल्फ एथलेटिक्स के विभिन्न इवेंट होते है।

छत्तीसगढ़ में मानसून लेने वाला है लंबा ब्रेक,बदला दिखेगा मौसम....

रायपुर/ संवाददाता

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून अब लंबा ब्रेक ले सकता है, इस वजह अभी अगले एक सप्ताह तक झमाझम वर्षा की कोई संभावना नहीं है। छत्तीसगढ़ में मानसून पर ब्रेक लग गया है जिसके कारण तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त के बाद सितंबर में मौसम कैसा रहेगा और बारिश कितनी होगी इस पूर्वानुमान पर फ्लिहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसकी वजह है कि मौसम पल-पल बदल रहा है और अल नीनो का प्रभाव कितना रहेगा, ये कहना मुश्किल है। मौसम विज्ञानियों का यह भी कहना है कि उत्तर भारत में गर्मी का चरम अब बीत चुका है और अब उतनी गर्मी नहीं पड़ेगी। मौसम विभग के मुताबिक आने वाले दिनों में ना तो लू चलने की संभावना है, न ही तापमान ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। इसके विपरीत पश्चिमी हवाओं के असर से मौसम के मिजाज में बदलाव महसूस किया जा सकेगा। मौसम विभाग ने कहा है कि सितंबर के उत्तरार्ध से तापमान भी धीरे-धीरे नीचे आने लगेगा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में सोमवार 28 अगस्त को आसमान में कहीं-कहीं बादल दिखाई देंगे और मौसम साफ रहने की उम्मीद है। लोगों को हल्की गर्मी का एहसास हो सकता है। इस पूरे हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में मौसम साफ रहने की उम्मीद है। यूपी में कहीं-कहीं बारिश तो कहीं तापमान बढ़ने की वजह लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में मानसून लगातार बदल रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अब राज्य में बारिश कम होने की उम्मीद है। प्रदेश में सोमवार 28 अगस्त को मौसम साफरहेगा। मध्य प्रदेश में भी बारिश की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। मौसम विभाग ने फ्लिहाल किसी भी जिले में तेज बारिश का अलर्ट नहीं जारी किया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उत्तरी मैसेडोनिया के विदेश मंत्री बुजर उस्मानी, नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति निवास में एक बैठक के दौरान.

रमन राज में आदिवासियों का शोषण हुआ

कांग्रेस राज आदिवासी समाज के लिये स्वर्णिमकाल-दीपक

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस राज आदिवासी समाज के लिये स्वर्णिम है। पिछले पांच साल में आदिवासी समाज के उत्थान के लिये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में अनेको महत्वपूर्ण योजनाएं बनाकर उनका प्रभावी क्रियान्वयन करवाया गया है जिससे आदिवासी समाज के लोगों के जीवन स्तर पर व्यापक परिवर्तन आया है। कांग्रेस सरकार ने पांच साल में आदिवासी वर्ग के शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य के एवं कानूनी अधिकार के लिये अनेको कार्य किया। कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों से किए वादों को पूरा किया। चार साल में आदिवासी वर्ग के हित के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजना बनाई गई। आदिवासियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल, जंगल, जमीन, उनके कानूनी अधिकारों के लिए काम किया गया है। विश्व आदिवासी दिवस के दिन 9 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश, राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन सहित अनेक जनकल्याणकारी योजना बनाकर आदिवासी वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत सक्षम बनाने के लिए काम किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने आदिवासी वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए रोजगार मूलक योजनाएं बनाई। बस्तर क्षेत्र में आदिवासी के वर्ग शिक्षा के लिए 300 से अधिक बंद स्कूलों को खोला गया।

छत्तीसगढ़ के 59 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री ने दिया राखी का तोहफा - अरूण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मोदी सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 200 रुपये की कटौती किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि राखी और ओणम के त्योहार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गैस सिलेंडर के दाम घटाकर हमारी बहनों बेटियों माताओं को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। इससे देश के 33 करोड़ रसोई गैस उपभोक्ता परिवारों को फायदा मिलेगा। साव ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने 75 लाख नए उज्ज्वला कनेक्शन बांटने का फैसला भी लिया है। जिससे देश की निर्धन वर्ग की महिलाओं को धुएं वाले चूल्हे से मुक्ति मिलेगी और वह बेहतर माहौल में अपने घर की रसोई तैयार कर सकेंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी रसोई गैस उपभोक्ताओं को मोदी सरकार के इस फैसले से बड़ी राहत मिली है। राज्य में 59 लाख परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। लगभग 34 लाख उज्ज्वला योजना हितग्राहियों को दोहरा लाभ मिला है। उज्ज्वला हितग्राहियों को केंद्र सरकार पूर्व से ही सब्सिडी दे रही है। ताकि गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ ना पड़े।

गौ माता के नाम पर कांग्रेस ने लूट का खेल खेला, योजनाएं केवल कागजों में - संजय

- कांग्रेस की सरकार योजनाएं कागजों में और पैसे जेब में वाली सरकार है
- रायपुर ग्रामीण साइकिल में शराबबंदी की मांग लेकर घूमने वालों के संरक्षण में बिक रही शराब

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा चुनावी राज्यों में अन्य राज्यों के विधायको का प्रवास तय किया है जिससे चिन्हित विधानसभा की धरातलीय स्थिति का जायजा लिया जा सके इसी कड़ी में रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में बिहार के दरभंगा विधायक संजय सराओगी का प्रवास तय था 8 दिन लगातार ग्रामीण विधानसभा में प्रवास के बाद आज विधायक संजय सराओगी ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ग्रामीण विधानसभा में भाजपा की द्वारा किसी भी प्रत्याशी चुने जाने पर जीत के प्रति आश्वस्तता जताई। उन्होंने पत्रकारों से कहा की छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम जी का ननिहाल है और बिहार प्रभु के ससुराल है ऐसे में हमारा छत्तीसगढ़ से गहरा रिश्ता है लेकिन अफ्सोस के साथ कहना पड़ रहा है की कमोबेश आज दोनो ही प्रदेश के स्थिति एक जैसी है।

युवाओं को 32 करोड़ रूपए की छूट शासन द्वारा शुल्क माफी के रूप में दी गई

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का सपना पूरा करने में युवाओं का होगा महत्वपूर्ण योगदान

- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग एवं छत्तीसगढ़ व्यापम की परीक्षाओं में लगने वाले शुल्क को समाप्त करने से युवाओं को मिला लाभ
- जिले के आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी पद के लिए नियुक्त 3 अभ्यर्थियों को दिया गया नियुक्त पत्र

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत 5360 हितग्राहियों को 2500 रूपए प्रतिमाह के मान से 1 करोड़ 34 लाख रूपए की राशि उनके खाते में अंतरित की। जिले में अब तक कुल 5 करोड़ 71 लाख 80 हजार रूपए बेरोजगार युवाओं के खाते में अंतरित की जा चुकी है। इस दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं बेरोजगारी भत्ता प्राप्त कर रहे युवा जुड़े रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह ने जिले के आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी पद के लिए नियुक्त 3 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए यह योजना चालू की गई है। क्योंकि गरीब एवं जरूरतमंद परिवार, मध्यम वर्गीय तथा निम्न मध्यम वर्गीय परिवार के अभिभावक अपने आवश्यक खर्चों में कटौती कर बच्चों को पढ़ाते

हैं। पढने-लिखने के बाद नौकरी नहीं मिल पाती या व्यवसाय नहीं कर पाते हैं ऐसी परिस्थिति में युवाओं को ऐसा महसूस होता है कि वे अपने परिवार के लिए बोझ बन गए हैं। घर के लोग भी ताना मारते हैं, इसलिए युवाओं को बेरोजगारी भत्ता उनके पॉकेटमनी तथा पढ़ाई के खर्चे के लिए दिया जा रहा है। पुस्तक, कापी, पढ़ाई के खर्चे, प्रशिक्षण के लिए आवागमन के लिए यह राशि उपयोगी होगी। सही मायने में युवाओं को रोजगार मिलेगा तो अत्यधिक खुशी होगी। अभी प्लेसमेंट कैम्प द्वारा रोजागर के नये अवसर युवाओं को मिले हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। गोधन न्याय योजना, रीपा, लघु वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण, वेल्यू एडिशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर युवाओं को मिले हैं। रीपा में 1316 उद्यम स्थापित हुए हैं जिससे 10 हजार उद्यमी लाभान्वित हो रहे हैं। नई औद्योगिक नीति से लगभग 3 हजार से अधिक उद्योग की स्थापना हुई है। जिससे 52 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। शासन द्वारा शिक्षित बेरोजगारो की राह में आने वाली चुनौतियों को कम करने का प्रयास किया गया है। शासन द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग एवं छत्तीसगढ़ व्यापम की परीक्षाओं में लगने वाले शुल्क को समाप्त किया गया है। फीस माफी के बाद व्यापम द्वारा आयोजित 28 परीक्षाओं में 18 लाख परीक्षार्थी के लगभग 18 करोड़ रूपए की राहत परीक्षा शुल्क माफी के रूप में दी गई। पीएससी की 19 परीक्षाओं में 4 लाख 26 युवाओं ने भाग लिया जिनके 15 करोड़ 19 लाख रूपए की फीस की छूट शासन द्वारा दी गई। इस तरह युवाओं को 32 करोड़ रूपए की छूट शासन द्वारा दी गई है।

सार-समाचार

सरोना तहसील को सुखा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करे सरकार यशवंत सुरोजिया

अशोक जैन कलम से

कांकेर। इस वर्ष सरोना क्षेत्र में अल्प वर्षा ने किसानों व आम जन जीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है वही कृषि कार्य को लेकर किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें दिखाई दे रही है इसी कड़ी में आज भाजपा सरोना मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोलिया ने अकाल की स्थिति निर्मित होता देख सरोना तहसील क्षेत्र को सुखा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की है माँग कलेक्टर कांकेर के नाम तहसील कार्यालय में श्री देशमुख जी को ज्ञापन सौपा गया साथ ही इस माँग को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोलिया ने बताया की किसानी का समय चल रहा और सरोना क्षेत्र में इस वर्ष अल्प वर्षा होने के चलते फसल नहीं के बराबर हो गया है वही खेतों मे दरारें पड़नी शुरू हो गई है चूँकि सरोना तहसील क्षेत्र कृषि आश्रित क्षेत्र है जहां कृषि ही एकमात्र आय का साधन है और इस क्षेत्र कई गांव में सिंचाई की कोई अन्य सुविधा व साधन नहीं होने के कारण कृषि कार्य मानसून पर निर्भर रहता है साथ ही क्षेत्र में विघुत कटौती व लो वोल्टेज के चलते मोटर पंप भी नहीं चल पा रहा वरना कुछ हद तक किसानों को राहत मिल जाता पर वह भी नही है साथ ही दुधावा डेम से पानी छोड़ने पर कुछ क्षेत्र के किसानों को राहत मिली है वही जहां ठेमा रावस क्षेत्र के किसानों ने विद्युत व्यवस्था को लेकर कई बार शासन प्रशासन को आवेदन दिया पर कोई सुनवाई नहीं हुई जिसे लेकर क्षेत्र के किसानों में असंतोष व्याप्त है और मौसम को देखते हुए लग रहा अब अकाल की स्थिति निर्मित हो गई है और किसानों को भारी नुक़सान उठाना पड़ सकता है सरोना तहसील के इस आपदा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र को सुखा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की माँग की है एक सप्ताह के भीतर शासन प्रशासन इस माँग को लेकर उचित कार्रवाई नहीं करेगा तो क्षेत्र के किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे

कलेक्टर ने किया निर्माण कार्यों की समीक्षा

कांकेर। कलेक्टर डॉ.प्रियंका शुक्ला ने आज निर्माण कार्यों समीक्षा किया तथा अप्रारंभ कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने के निर्देश दिये। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी इंजीनियर को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी अनुविभागीय अधिकारी इस माह निर्माण कार्य में प्रगति लायेंगे उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किया जायेगा। इंजीनियरों को लगातार फ्लिड भ्रमण करने के लिए भी निर्देषित किया गया। मरम्मत योग्य सड़कों की मरम्मत कराने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देष दिये गये। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत संचालित सभी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा किया गया । इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता महेन्द्र कष्यप, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग के कार्यपालन अभियंता सहित सभी एसडीओ मौजूद थे।

विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने विभिन्न निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

धमतरी। सिहावा विधानसभा के विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया विदित हो कि सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के अनुशंसा से क्षेत्र में विभिन्न निर्माण कार्य हेतु 89.20 लाख रूपये स्वीकृति मिली है। उक्त कार्यो को भूमिपूजन ग्राम के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों के उपस्थिति में किया गया। जिसमें दिनांक 28.08.2023 को सर्वप्रथम सामुदायिक भवन निर्माण कार्य बिरनपुर लागत राशि 5.00 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य कुम्हारपारा भेजरीरावन सेमरा 06.50 लाख, रूपये का भूमिपूजन किए। तत्पश्चात मगरलोड ब्लाक के ग्राम बिरझुली में वर्क शेड निर्माण कार्य 04.00 लाख, ग्राम बेलोरा में सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण कार्य 200 मीटर बिरेन्द्र घर से भेषू यादव घर तक 07.00 लाख, ग्राम जामली में सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य 03.00 लाख, ग्राम डाभा में भूमिपूजन कार्य सी.सी.सड़क निर्माण जय स्तम्भ से कृष्णा घर तक लागत राशि 07.00 लाख, ग्राम छोटीकरेली में मुक्तिधाम शेड निर्माण कार्य 04.85 लाख, ग्राम छिपली में मुक्तिधाम शेड निर्माण कार्य 04.85 लाख, ग्राम लुगे में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य 06.50 लाख, ग्राम परसवानी में सांस्कृतिक चबुतरा निर्माण कार्य 04.00 लाख, ग्राम कमरौद में वर्क शेड निर्माण कार्य 04.00 लाख रूपये का भूमिपूजन किये, एवं दिनांक 29.08.2023 को कुकरेल ब्लाक में ग्राम चनागांव छिन्दभर्री में सी. सी. सडक निर्माण कार्य लीला मंडली से महेन्द्र घर तक 200 मी. 07.00 लाख, ग्राम भोथापारा में कांक्रीटीकरण कार्य मुख्य मंच के सामने भोथापारा 07.00 लाख, ग्राम बनरौद में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य यादव समाज 05.00 लाख, ग्राम कांटाकुर्रीडीही में रंगमंच निर्माण कार्य 03.50 लाख, ग्राम बाजार कुर्रीडीही में नवीन धान उपार्जन केन्द्र का भूमिपूजन किया गया।

नक्सल क्षेत्र से भी उभर रहै कराते के खिलाड़ी

अशोक जैन की क़लम से

कांकेर। शा. उ. मा. वि.लेंडारा के 7 खिलाड़ीयों का चयन राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता (कोरबा) के लिए हुआ है। अगर आप कांकेर जिले से नही हैं तो शायद ही आपने इस जगह का नाम सूना होगा, यदि आप कांकेर से है भी तो भी इस नाम को सूनकर आप एक बार अपना सर जरूर खूजायेंगे या फिर अपने किसी मित्र को इस जगह के बारे मे जरूर पुछेंगे। लेंडारा कांकेर मे लगभग 60 कि.मी. अन्दर एक पंचायत है। गौरतलब है कि यह इलाका कांकेर जिले अति संवेदनशील जगहो मे से एक है । एसे इन बच्चो का कराते जैसे खेल मे चयन होना एक उपलब्धी ही है वह स्कूल खास तौर पे वहा के कोच जिन्होने इन बच्चो को प्रशिक्षण दिया है सराहना के पात्र है। यकीन मानीय छत्तीसगढ़ मे भी इस खेल मे प्रतियोगिता का स्तर काफी उचा है। एसे मे इन बच्चो का चयन राज्य स्तर पर होना कोच की श्रेष्टता और बच्चो की जीतोड़ महनत को दिखाता है

राईजिंग स्टार आफबस्तर अपनी चमक कोरबा मे बिखेरेंगें : जगदलपुर में दिनांक 29 अगस्त को हुए संभागीय कराते चयन प्रतियोगिता में शासकीय उमावि लेण्डारा के खेल अनुदेशक हेमंत चक्रधारी के मार्गदर्शन में इस स्कूल से कुल 15 खिलाड़ियों ने क्षेत्रीय कराते प्रतियोगिता मे जगदलपुर में हिस्सा लिया था। जिसमें से 7 खिलाड़ी क्रमश:

-17 बालक में
रोशन यादव
त्रिदेव वट्टी
-19 वर्ष बालक
रघुराम शोरी
चंद्रप्रकाश पटेल
-17 वर्ष बालिका
अंजली वट्टी
-19 बालिका
शांति भास्कर
वंदना नेताम

ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान बनाया था। राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता कोरबा में 10 से 13 सितंबर तक होगी। चयिनत खिलाड़ियों को संस्था के प्राचार्य दिनेश चंद्र नाग एवं शिक्षक रामानुज ताराम, फूलचंद कावड़े, वेदेश ठाकुर, ओमप्रकाश ओट्टी,अखिलेश गंजीर, मीना बंजारे, कीर्तन सांगिया, सुमन जैन, मेघा अवस्थी, सरस्वती सोनबेर ने बधाई दी है।

नशा करने से परिवार और समाज दोनों आर्थिक रूप से नाश कर देता है - सोमा आचला

44 गांव के ग्राम सभा की बैठक में लिया गया निर्णय

दुर्गकोदल से लौट कर अशोक जैन

कांकेर: वांचल क्षेत्र कांकेर जिला के दुर्गुकोंडल ब्लॉक के पांचवी अनुसूचित क्षेत्र के आश्रित गांव भेजर में 44 गांव ने ग्राम सभा को आर्थिक, सामाजिक ,रोजगार शिक्षा ,स्वास्थ्य,जल ,जंगल जमीन को कैसे हम अपने गांव में बढ़ावा और पेसा एक्ट के तहत् ग्रामसभा को कैसे मजबूत और नया मॉडल के रूप में गांव के विकास कैसे कर सकते हैं करके ग्रामीणों द्वारा बैठक रखा गया था जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल थे । जिसमें नशा मुक्ति का अभियान चलाया गया और गांव वालों ने संविधान को साक्षी मानकर अपने गांव को नशा मुक्ति करने का शपथ लिया गया और गांव की ग्राम सभा को एक नया रूप देंगे इस अभियान से करके सभी 44 ग्राम वासियों ने निर्णय लिया ।

हमें अपने परिवार के साथ समाज का ध्यान रखते हुए अपने चरित्र को बनाना चाहिए। क्योंकि नशा में लिप्त व्यक्ति अपने परिवार और समाज के लिए कष्टदायी बन जाते हैं । नशा किसी प्रकार का हो व्यक्ति के लिए हानिकारक होता है । और तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के कारण नौजवानों में शारीरिक कमजोरी हृदय रोग ,फेफड़ों से संबंधित ,बीमारियां बढ़ रही है तंबाकू कैंसर का भी मुख्य कारण है जो की निष्क्रिय धूपप्रान से बच्चों और महिलाओं में भी हो सकता है इसमें समस्त लोग उपस्थित थे धरमू आचला, निरीगसाय नरेटी, बिसरू आचला, लाल पुडो, सुरजू पुड़ो, सोमा आचला, हरसिंग कोवाची , मुकेश कोवाची , सभी गांव के ग्राम सभा के अध्यक्ष , सरपंच , पटेल, गायत इत्यादि ग्रामवासी उपस्थित थे ।

समाज मजबूती से आगे बढ़े, इसके लिए समाजिक पदाधिकारीयों की जिम्मेदारी अधिक - रंजना साहू

धमतरी। विधायक निधि से स्वीकृत ग्राम भानपुरी में धोबी समाज सामुदायिक भवन निर्माण कार्य एवं ग्राम देमार में यादव समाज सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के मुख्य आतिथ्य में विधि विधान से पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दमयंती साहू जिला पंचायत सदस्य, आमदी मंडल अध्यक्ष मुरारी यदु उपस्थित रहे। सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने पर समाज जनों में हर्ष व्याप्त है, धोबी समाज एवं यादव समाज ने विधायक का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किए। ग्राम भानपुरी व देमार में भूमिपूजन उपरांत अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन में परिक्षेत्र धोबी समाज अध्यक्ष मोहित राम ने विधायक का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि रंजना साहू जी बहुत सक्रिय विधायक है, हमारे समाज को उन्होंने सहयोग दिए, परिक्षेत्र भवन लोहारसीं में बन रहा है उसके बाद ग्राम भानपुरी में भी भवन निर्माण की स्वीकृति मिली है, भविष्य में हमारा धोबी समाज पूर्ण रूप से विधायक का सहयोग करेगी। विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज ने सामाजिक उत्थान की ओर कार्य किए हैं उनकी पहल सभी समाजों के लिए प्रेरणादाई रहा है, समाज की अगवाई करने वाले पदाधिकारी ही समाज को आगे ले जाते हैं, समाज के लिए सिर्फ भवन तक सीमित नहीं रहते हैं बल्कि समाज को शिक्षा और व्यवसाय की ओर कैसे ले जाएं इस पर विचार विमर्श किया जाता है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहने से नहीं होगा हमें उन बुलंदियों को हासिल करना है जिससे हमारा समाज मजबूती के साथ आगे बढ़े और विकास की ओर अग्रसर हो तभी यह कहावत पूरी होगी। अतिथि उद्बोधन में आमदी मंडल अध्यक्ष मुरारी यदु ने कहा कि क्षेत्र के विकास में स्वर्णिम इतिहास विधायक ने रचा है, प्रत्येक समाज को एक साथ लेकर चलते हुए सहयोग किए हैं, पूर्व जनपद अध्यक्ष गुंजा साहू ने श्रावण मास की शुभकामनाएं दिए एवं भवन निर्माण के लिए विधायक का धन्यवाद स्थापित किए एवं समाज जनों को बधाई दिए। ग्राम पंचायत सरपंच लक्ष्मी यादव ने निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए बधाई दिए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम विकास समिति अध्यक्ष संतराम ध्रुव, उपाध्यक्ष पंचराम साहू, देवकरण, सेवक राम, ओमकार सोनवानी, सुखलाल निर्मलकर, रिखी राम, किरण, विवेक साहेब, पुनाराम साह, फ्लेंद्र साहू, नारायण साहू, नीलकंठ साहू, जीवराखन साहू, टामन साहू, भुवन निर्मलकर, फुलेश्वरी निर्मलकर, हिरमन बाई निर्मलकर, हेमीन बाई निर्मलकर, राजेंद्र कुमार निर्मलकर, गंगाधर निर्मलकर, नेतराम निर्मलकर, सुकलाल निर्मलकर,चंद्रहास यादव, मनोज यादव, गोपाल यादव, यशवंत यादव, राजबती यादव, रामकुवर यादव, सरस्वती यादव, रमेश यादव , तुका यादव आदि।

दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की समय-सीमा अब 11 सितंबर तक

सुकमा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 के संबंध में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 में दावा-आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त को बढ़ाकर अब 11 सितम्बर 2023 सोमवार तक किया गया है। अब निर्वाचक नामावली का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने सहित मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन और लिंग, आयु, पता इत्यादि संशोधन का कार्य उक्त नियत तिथि तक किया जाएगा।

इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर द्वारा सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को परिपत्र जारी कर दिया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि अब राज्य के सभी मतदान केन्द्रों में 02 सितंबर शनिवार एवं 03 सितंबर रविवार को पूर्व की भांति विशेष शिविर का आयोजन भी किया जावे। उक्त शिविर तिथियों पर सम्बंधित मतदान केन्द्रों के लिये नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी, अभिहित अधिकारियों को मतदान केन्द्रों में कार्यालयीन निर्धारित समयावधि में अनिवार्यत: आवश्यक फार्मों के साथ उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया जावे। निर्धारित तिथि 11 सितम्बर 2023 तक प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 सितम्बर 2023 तक किया जाकर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पूर्व की भांति 04 अक्टूबर 2023 को किया जावेगा। फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित अवधि एवं मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजन के संबंध में समस्त राजनीतिक दलों को अवगत कराते हुये इसका प्रचार-प्रसार करने कहा गया है।

जिले में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत ''चुनाई चिरई'' से लोगों को किया जा रहा है जागरूक

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर)। आगामी विधानसभा निर्वाचन के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार के निर्देशानुसार जिले में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत चुनाई चिरई का लगातार प्रचार- प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अलग- अलग स्थानों में स्वीप के माध्यम से कार्यक्रम भी किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के द्वारा अपने जिला चिकित्सालय तथा स्वास्थ्य केन्द्रों में ओपीडी पर्ची में ''चुनाई चिरई'' के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जिसमें लोगों को ओपीडी पर्ची में चुनावी चिरई का सील लगाकर मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उप निर्वाचन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ठाकुर ने बताया कि इसके साथ ही अन्य विभागों द्वारा भी ''चुनाई चिरई'' के माध्यम से लगातार मतदाताओं को ई.व्ही.एम एवं वीवीपैट मशीन तथा मतदान केन्द्र में मतदान प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए कलेक्टोरेट के अलावा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केन्द्रों में जागरूकता रथ के माध्यम से ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। जिससे विधानसभा निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत बड़े और ग्रामीण अधिक से अधिक संख्या में आकर मतदान करें।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अशोक जैन की क़लम से

कांकेर :- राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आज कांकेर जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत फॉर्म 06, फॉर्म 07 एवं फॉर्म 08 को त्रुटिरहित ढंग से भरने के संबंध में वर्चुअल माध्यम से विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। दिव्यांग मतदाताओं को चिन्हांकित करने तथा उनकी मार्किंग करने के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता होने पर उन्हें डाक मत पत्रों से मतदान करने की सुविधा दी जा सकती है, लेकिन यह सुविधा वैकल्पिक होगी। फॉर्म 07 में विलोपन संबंधी कार्य को बड़ी सावधानी से करने की सलाह देते हुए उन्होंने बताया गया कि मतदाता की मृत्यु होने, स्थाई रूप से स्थानांतरित होने पर विलोपन का फॉर्म भरा जावे। फॉर्म 08 को भी त्रुटिरहित भरने के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया गया। संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ को प्राप्त आवेदनों में से 05 प्रतिशत आवेदनों का अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन करने के लिए सभी सुपरवाईजरों को निर्देशित किया गया। बीएलओ रजिस्टर भरवाने के निर्देश भी दिये गये।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में कांकेर जिला ने बढ़िया कार्य किया है, इसे बनाये रखें। सभी अधिकारी ऐसा काम करें कि कोई त्रुटि न हो। बीएलओ को प्राप्त आवेदनों में से 05 प्रतिशत आवेदनों का सभी सुपर वाईजर घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करें तथा अपने रिपोर्ट में ग्रामीणों का भी हस्ताक्षर लिया जाये। उन्होंने कहा कि जो भी बीएलओ त्रुटिरहित कार्य करेंगे तथा शत-प्रतिशत शुद्ध मतदाता सूची तैयार करेंगे, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी पुरस्कृत किया जायेगा। उन्हांने बताया कि जिले के सभी मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा आज रैपसांग का लांच किया गया, इसे जिला निर्वाचन कार्यालय कांकेर के द्वारा तैयार किया गया है। प्रशिक्षण में सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं सुपर वाईजर मौजूद थे।

राजीव युवा मितान क्लब
छत्तीसगढ़

राजीव युवा मितान सम्मेलन

2 सितंबर 2023

मेला स्थल, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

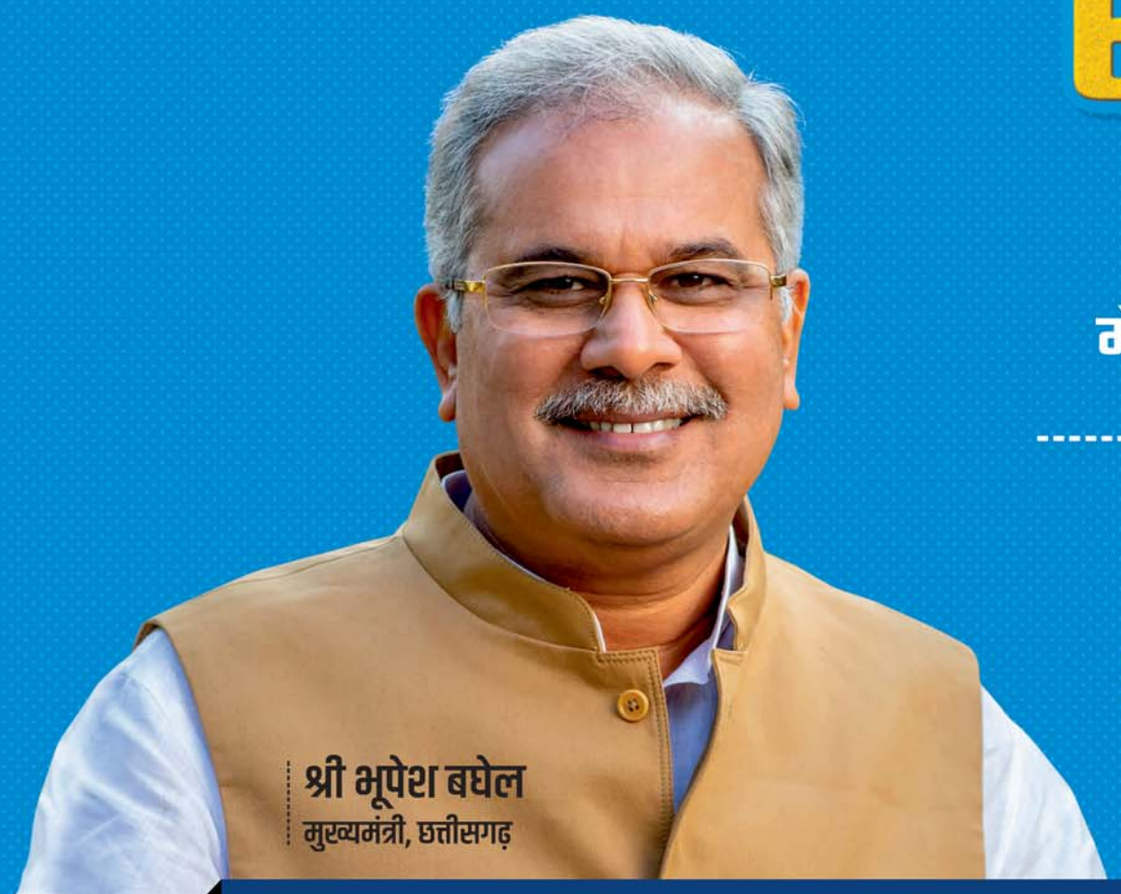

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि

श्री राहुल गांधी

माननीय सांसद

किया वादे से ज्यादा, भरोसा बरकरार
युवाओं के साथ छत्तीसगढ़ सरकार

सरकारी नौकरी के सपने हो रहे पूरे
42,000 विभिन्न शासकीय पदों पर भर्ती जारी

आकांक्षाओं पर निवेश
शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2,500 रु भत्ता

मजबूत भविष्य को आकार
कौशल विकास प्रशिक्षण से
4.68 लाख युवाओं का भविष्य मजबूत

युवाओं को आर्थिक राहत
सीजीव्यापम और सीजीपीएससी
की परीक्षाओं की फीस माफ

रोजगार मेला - सफलता की राह
18,666 युवाओं के हाथों में रोजगार-स्वरोजगार

उज्ज्वल भविष्य का निर्माण
10 नए स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय

स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा
हायर-सेकेंडरी में भी आईटीआई शिक्षा और प्रमाण पत्र

तकनीकी प्रशिक्षण से रोजगार की राह आसान
194 आईटीआई संचालित, 36 शासकीय आईटीआई
का टाटा टेक्नोलॉजीस के साथ एमओयू

मजबूत युवा हाथों में निर्माण की जिम्मेदारी
ब्लॉक स्तर पर पंजीकृत युवा इंजीनियरों को दिए जा रहे
20 लाख रु तक के निर्माण कार्य

निखर रहीं खेल प्रतिभाएं
4 आवासीय, 3 गैर आवासीय खेल अकादमियां,
24 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित
8 नई खेल अकादमियां प्रस्तावित

जमीनी स्तर की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा
13,242 राजीव युवा मितान क्लबों के माध्यम से
3.33 लाख युवाओं का सशक्तीकरण

मजबूत नींव
33 जिलों में अजा. अजजा. वर्ग के युवाओं
के लिए नि:शुल्क कोचिंग

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक–संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग–मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:–9301031000, 0771–6556444 bharatbhaskar222@gmail.com